मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 181
मंगलवार, 13 जनवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मजबूत डोर से बँधे भारत-जर्मनी रिश्तों ने भरी नई उड़ान, मोदी और मर्ज की वार्ता से मिली यूरोप की एशिया नीति को नई दिशा

अहमदाबाद, 12 जनवरी। अहमदाबाद की ठंडी सुबह जब साबरमती आश्रम में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज नतमस्तक हुए, तभी स्पष्ट हो गया था कि यह दौरा गहरे रणनीतिक संकेत देने वाला है। जर्मन चांसलर की यह यात्रा भारत जर्मनी रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्षों को एक नई दिशा देने वाली साबित हुई।

गांधी आश्रम में श्रद्धांजलि के बाद दोनों नेता साबरमती रिवरफ्रंट पहुंचे, जहां अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव 2026 का उद्घाटन हुआ। खुले वाहन में साथ बैठकर मोदी और मर्ज का शहर भ्रमण और फिर पतंग उड़ाना प्रतीकों से भरा दृश्य था। यह सांस्कृतिक आत्मीयता के साथ साथ राजनीतिक संदेश भी था कि भारत और जर्मनी केवल सम्मेलन कक्षों में नहीं बल्कि जनता और परंपराओं के बीच भी साझेदारी को जीना चाहते हैं। वहीं गांधीनगर के महात्मा मंदिर कन्वेंशन सेंटर में हुई औपचारिक वार्ता में दोनों देशों ने व्यापक संयुक्त बयान जारी किया। इसमें रक्षा और सुरक्षा सहयोग को नई मजबूती देने, आतंकवाद से निपटने, साइबर सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा, हरित ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, हाइड्रोजन मिशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कौशल विकास और उच्च शिक्षा में सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। साथ ही व्यापार और निवेश के क्षेत्र में भी दोनों देशों ने स्पष्ट लक्ष्य तय किए। हम आपको बता दें कि भारत और जर्मनी के बीच द्विपक्षीय व्यापार अब पचास अरब डॉलर के पार पहुंच चुका है तथा इसे और तेजी से

बढ़ाने पर जोर दिया गया। इस समय दो हजार से अधिक जर्मन कंपनियां भारत में सक्रिय हैं और जर्मनी भारत को यूरोप में अपने सबसे भरोसेमंद आर्थिक साझेदारों में देख रहा है। भारतीय कंपनियों के लिए भी जर्मनी को यूरोपीय बाजार का प्रवेश द्वार माना जा रहा है।

चांसलर मर्ज ने भारत के साथ सुरक्षा सहयोग बढ़ाने की इच्छा स्पष्ट रूप से जताई। देखा जाये तो बदलते वैश्विक हालात में जर्मनी अपनी ऊर्जा और रक्षा जरूरतों के लिए किसी एक देश पर निर्भर नहीं रहना चाहता। भारत के साथ रक्षा उत्पादन, सैन्य प्रशिक्षण और रणनीतिक संवाद को मजबूत करना इसी दिशा में एक कदम है। साथ ही जर्मनी भारत को हिंद प्रशांत क्षेत्र में एक स्थिरता कारक के रूप में देखता है।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा चांसलर मर्ज को जर्मन मर्सिडीज कार में साथ ले जाना भी साधारण घटना नहीं थी। यह एक प्रतीकात्मक संदेश था कि भारत आधुनिकता, तकनीक और वैश्विक मानकों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। यह संदेश जर्मन उद्योग जगत और यूरोपीय निवेशकों के लिए भी था कि भारत अब केवल एक उभरता बाजार नहीं बल्कि एक विश्वसनीय साझेदार है। वहीं दोनों नेताओं का पतंग उड़ाने का दृश्य भी गहरे अर्थ लिए हुए था। दो नेताओं का एक साथ पतंग उड़ाना इस बात का संकेत माना गया कि वह वैश्विक राजनीति के आसमान में अपनी साझेदारी की पतंग ऊंची रखना चाहते हैं और उन ताकतों की पतंग काटने का इरादा रखते हैं जो नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को कमजोर करती हैं। यह संदेश अप्रत्यक्ष रूप से उन देशों के लिए भी था जो आक्रामक विस्तारवाद और दबाव की राजनीति में विश्वास रखते हैं।

देखा जाये तो भारत और जर्मनी के बीच हुए ये समझौते केवल द्विपक्षीय लाभ तक सीमित नहीं हैं बल्कि इनके दूरगामी सामरिक प्रभाव हैं। यह साझेदारी यूरोपीय संघ के लिए एक स्पष्ट संकेत है कि भारत अब यूरोप की एशिया नीति का केंद्र बनता जा रहा है। यदि भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौता आगे बढ़ता है, तो इसका सबसे बड़ा आधार भारत जर्मनी संबंध ही बनेंगे।

महायुति रैली में ठाकरे परिवार पर जमकर बरसे फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र में 15 जनवरी को होने वाले निगर निकाय चुनावों से पहले राज्यभर की सियासत में गर्माहट तेज है। दूसरी ओर राज्य के चनावी रण में राजनीतिक पार्टियों की तैयारियों के बीच आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति भी अपने चरम पर है। इसी क्रम में सोमवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महायुति के समर्थन में रैली में अपने विपक्षी दलों पर खूब निशाना साधा। फडणवीस ने जोर देते हुए कहा कि कोई भी मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की हिम्मत नहीं कर सकता।

उन्होंने साफ किया कि मुंबई हमेशा महाराष्ट्र का हिस्सा रहेगा और इसका कोई विकल्प नहीं है। सीएम फडणवीस ने महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर भी अहम बातें की। सीएम ने कहा कि महाराष्ट्र में केवल मराठी भाषा ही अनिवार्य है। उन्होंने यह भी कहा कि केवल मराठी लोग ही बीएमसी के अहम पदों पर होंगे। इस दौरान फडणवीस ने सीधे ठाकरे परिवार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मराठी लोगों का अस्तित्व खतरे में नहीं है। जो खतरे में हैं, वह आप (ठाकरे परिवार) हैं। सीएम ने कहा कि अगर आप कहते हैं कि मराठी मनुष की सुरक्षा खतरे में है, तो पिछले 30 साल आप इसके लिए क्या कर रहे थे? फडणवीस ने ठाकरे परिवार पर आरोप लगाया कि वे सिर्फ वोट के लिए मराठी लोगों की भावनाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके साथ ही फडणवीस ने स्कूलों में भाषा को लेकर भी ठाकरे सरकार पर सवाल उठाया।

सोनभद्र में करीब 450 किलोग्राम गांजा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

सोनभद्र, 12 जनवरी। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में रविवार को पुलिस ने एक ट्रक में कांच की शीशियों के बीच बोरों में छिपाकर रखा हुआ 4.42 क्विंटल (करीब 450 किलोग्रा) गांजा बरामद किया और दो अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जब्त किये गये गांजे की कीमत करीब 1.10 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने बताया कि हाथीनाला थाना पुलिस और विशेष अभियान दल (एसओजी) की टीम ने मुखबिर से मिली सूचना पर हथवानी मोड़ पर घेराबंदी की और रेणुकूट की तरफ से आ रहे एक डीसीएम ट्रक को रोक लिया।उन्होंने बताया कि ट्रक की

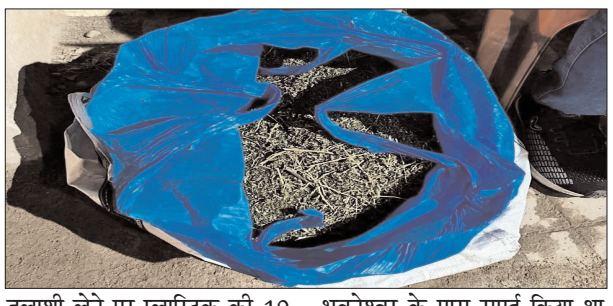

तलाशी लेने पर प्लास्टिक की 19 बोरियों में 442.50 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ जिसका अनुमानित मूल्य 1.10 करोड़ रुपये है। अधिकारी ने बताया कि इस कार्रवाई में पुलिस ने दो आरोपियों महाराष्ट्र के उस्मानाबाद निवासी जावेद (43) और ठाणे निवासी इस्माइल (36) को गिरफ्तार कर लिया।

वर्मा के मुताबिक, पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि यह ट्रक किसी अन्य व्यक्ति ने उन्हें भुवनेश्वर के पास सुपुर्द किया था और उन्हें बताया गया कि वाहन में शीशे के साथ अन्य सामान लदे हैं। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्हें ट्रक को फिरोजाबाद ले जाने को कहा गया था। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

गरीब युवाओं को उकसाने की कोशिश कर रहे एनएसएः महबूबा मुफ़्ती

कश्मीर, 12 जनवरी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ़्ती ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि सदियों पुरानी घटनाओं के बदले की बात करना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि एनएसए का कर्तव्य राष्ट्र की रक्षा करना है, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उन्होंने नफरत की सांप्रदायिक विचारधारा में शामिल होने का विकल्प चुना है।

हम आपको याद दिला दें कि दिल्ली में विकसित भारत युवा नेता संवाद के उद्घाटन समारोह में शनिवार को डोभाल ने कहा था कि भारत को न केवल सीमाओं पर, बल्कि आर्थिक रूप से भी और हर तरह से खुद को मजबूत करना होगा, ताकि हमलों और दमन के दर्दनाक इतिहास का बदला लिया जा सके। इसके जवाब में अपनी पोस्ट में महबूबा ने कहा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि श्री डोभाल जैसे उच्च पदस्थ अधिकारी, जिनका कर्तव्य देश को आंतरिक और बाहरी नापाक मंसूबों से बचाना है, उन्होंने नफरत की सांप्रदायिक विचारधारा में शामिल होने और मुसलमानों के खिलाफ हिंसा को सामान्य बनाने का विकल्प चुना है। उन्होंने कहा, सदियों पुरानी घटनाओं को लेकर 21वीं सदी में बदला लेने का आह्वान करना एक डॉग व्हिसल (सांकेतिक संदेश) है, जो गरीब और अशिक्षित युवाओं को एक अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाने के लिए उकसाता है, जो पहले से ही चारों ओर से हमलों का सामना कर रहा है।

जहां तक डोभाल के बयान की बात है तो आपको बता दें कि उन्होंने कहा था कि भारत को अपनी सुरक्षा सिर्फ सीमाओं पर मजबूत नहीं करनी

है, बल्कि आर्थिक और तकनीकी तौर पर भी देश को इतना मजबूत बनाना है कि हमलों और पराधीनता के अपने इतिहास का प्रतिशोध ले सकें। अपने संबोधन में डोभाल ने स्वतंत्रता के लिये किये गए संघर्षों, भारत की सभ्यता पर हुए हमलों और मजबूत नेतृत्व के महत्व का जिक्र करते हुए कहा था कि मैं गुलाम भारत में पैदा हुआ था। आप भाग्यशाली हैं कि स्वतंत्र भारत में पैदा हुए। सदियों तक हमारे पूर्वजों ने इसके लिये बहुत कुर्बानियां और अपमान सहे हैं। भगत सिंह को फांसी हुई, सुभाष चंद्र बोस को जीवन भर संघर्ष करना पड़ा, महात्मा गांधी को सत्याग्रह करना पड़ा और अनगिनत लोगों को जानें देनी पड़ीं।

भारत के खुफिया ब्यूरो के प्रमुख 81 वर्षीय डोभाल ने कहा था, हमारे गांव जले, हमारी सभ्यता को समाप्त किया गया, हमारे मंदिरों को लूटा गया और हम एक मूक दर्शक की तरह असहाय होकर देखते रहे। यह इतिहास हमें एक चुनौती देता है कि भारत के हर युवक के अंदर आग होनी चाहिये। उन्होंने कहा था कि प्रतिशोध शब्द अच्छा तो नहीं है, लेकिन यह अपने आप में बड़ी शक्ति होती है। हमें अपने इतिहास का प्रतिशोध लेना है और हमें इस देश को फिर वहां पहुंचाना है, जहां हम अपने हक, अपने विचार और अपनी आस्थाओं के आधार पर एक महान भारत का निर्माण कर सकें। हमें अपने आपको हर रूप में आर्थिक, रक्षात्मक, तकनीकी तौर मजबूत बनाना है।

भारत निर्वाचन आयोग ने पूर्व नौसेना प्रमुख को भेजे गए नोटिस पर स्पष्टीकरण दिया

नई दिल्ली, 12 जनवरी। भारत निर्वाचन आयोग ने गोवा में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत नौसेना के पूर्व प्रमुख एडमिरल (सेवानिवृत्त) अरुण प्रकाश को नोटिस जारी करने पर सोमवार को स्पष्टीकरण दिया, जिसमें कहा गया है कि उनके गणना प्रपत्र में पिछली एसआईआर से संबंधित अनिवार्य विवरण शामिल नहीं थे।

आयोग ने सेवानिवृत्ति के बाद से गोवा में रह रहे प्रकाश को एसआईआर प्रक्रिया के तहत अपनी पहचान स्थापित करने के लिए बुलाया था। सशस्त्र बलों से सेवानिवृत्त हुए कर्मियों सहित कई लोगों ने प्रकाश को इस तरह का नोटिस भेजे जाने पर सोशल मीडिया पर चिंता व्यक्त की थी।

प्रकाश को 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में उनकी भूमिका के लिए वीर चक्र से सम्मानित किया गया था। निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी डॉ. मेडोरा एरमोमिला डी कोस्टा ने सोमवार को जारी एक स्पष्टीकरण में कहा, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान जारी नोटिस से संबंधित मीडिया की खबरों के संदर्भ में, यह स्पष्ट किया जाता है कि एसआईआर के दौरान, कोर्टालिम विधानसभा क्षेत्र के भाग संख्या 43 के बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) ने श्री अरुण प्रकाश से संबंधित गणना प्रपत्र एकत्र किया था।

उन्होंने कहा, यह देखा गया कि उक्त गणना प्रपत्र में पिछले एसआईआर से संबंधित अनिवार्य विवरण शामिल नहीं थे, जिनमें मतदाता का नाम, ईपीआईसी नंबर, रिश्तेदार का नाम, विधानसभा क्षेत्र

का नाम और संख्या, भाग संख्या और मतदाता सूची में क्रम संख्या शामिल हैं।

अधिकारी ने बताया कि इन आवश्यक पहचान विवरणों के अभाव में, बीएलओ एप्लिकेशन प्रस्तुत गणना प्रपत्र और मौजूदा मतदाता सूची डेटाबेस के बीच स्वचालित संबंध स्थापित करने में असमर्थ था।

स्पष्टीकरण में कहा गया है, चूंकि पिछली एसआईआर से संबंधित सभी जानकारियां नहीं दी गई थीं, इसलिए सिस्टम ने गणना प्रपत्र को अनमैप श्रेणी के अंतर्गत वर्गीकृत किया। डी कोस्टा ने कहा, बीएलओ एप्लिकेशन को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह निर्धारित पहचान विवरण विधिवत भरे जाने पर ही गणना प्रपत्रों का स्वचालित रूप से मिलान करता है, जिससे मौजूदा मतदाता सूची से सत्यापन संभव हो पाता है। यदि गणना प्रपत्रों का मिलान नहीं हो पाता है, तो एसआईआर प्रक्रिया के तहत सुनवाई तंत्र के माध्यम से आगे सत्यापन अनिवार्य है।

डी कोस्टा ने कहा कि मानक, सिस्टम-आधारित प्रक्रिया के अनुसार, मतदाता के विवरण के सत्यापन और पात्रता की पुष्टि के लिए उचित अवसर सुनिश्चित करने के वास्ते सुनवाई नोटिस स्वचालित रूप से तैयार करके जारी किया गया था।

अमित शाह ने विवेकानंद और राजमाता जीजाबाई को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को संत व आध्यात्मिक नेता स्वामी विवेकानंद और मराठा सम्राट छत्रपति शिवाजी की माता राजमाता जीजाबाई की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में हुआ था और उनका नाम नरेन्द्रनाथ दत्त था। उनकी जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाई जाती है। राष्ट्रीय युवा दिवस पर एक्स पर एक संदेश में शाह ने कहा, मैं स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं और राष्ट्रीय युवा दिवस पर सभी नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

बचत और खर्च का असंतुलनः नये भारत के लिए बड़ी चुनौती

-ललित गर्ग

महामारी के बाद की दुनिया केवल स्वास्थ्य के स्तर पर ही नहीं, बल्कि आर्थिक सोच और व्यवहार में भी एक बड़े संक्रमण से गुजरी है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव, बढ़ती महंगाई, तकनीक-आधारित बाजार और उपभोक्तावादी संस्कृति के तीव्र प्रसार ने लोगों की खर्च करने की प्रवृत्ति को असाधारण रूप से बढ़ा दिया है। इस बदलाव का सबसे गहरा असर घरेलू बचत पर पड़ा है। भारत सहित अनेक देशों में घरेलू बचत दरें ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर पहुंच चुकी हैं। उपभोग बढ़ रहा है, लेकिन भविष्य की सुरक्षा के लिए आवश्यक बचत निरंतर घटती जा रही है। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक चिंता का विषय भी बनती जा रही है। भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए घरेलू बचत सदैव विकास की रीढ़ रही है। बुनियादी ढांचे से लेकर औद्योगिक निवेश तक, भारत की विकास गाथा में घरेलू बचत की भूमिका निर्णायक रही है। परंतु आज स्थिति यह है कि विशेषकर युवा पीढ़ी में बचत की दर 10 से 15 प्रतिशत तक सिमट गई है। यह आंकड़ा किसी भी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए संतोषजनक नहीं कहा जा सकता। जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब बचत और खर्च के बीच असंतुलन एक गंभीर चेतावनी के रूप में सामने आ रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में युवाओं की भूमिका को हमेशा निर्णायक माना है और वे बार-बार यह संदेश देते रहे हैं कि बचत केवल व्यक्तिगत सुरक्षा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव है। उनके अनुसार उपभोग से पहले बचत की संस्कृति युवाओं में आत्मनिर्भरता, अनुशासन और दीर्घकालिक सोच का विकास करती है। जन-धन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, अटल पेंशन योजना, डिजिटल बचत और निवेश के माध्यमों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने यह स्पष्ट किया है कि छोटे-छोटे नियमित निवेश भविष्य की बड़ी आर्थिक शक्ति बनते हैं। मोदी का विचार है कि जब युवा वर्ग आज अनावश्यक खर्च से बचकर

बचत और उत्पादक निवेश की ओर अग्रसर होगा, तभी भारत की अर्थव्यवस्था स्थिर, समावेशी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकेगी; क्योंकि आत्मनिर्भर युवा ही सशक्त भारत की सबसे बड़ी पूंजी है।

भारतीय परंपरा में बचत को केवल आर्थिक क्रिया नहीं, बल्कि एक सद्गुण माना गया है। ह्लआज की बचत, कल का संबलह्व जैसी कहावतें हमारे सामाजिक व्यवहार का हिस्सा रही हैं। गृहस्थ जीवन में संतुलन, संयम और संचय को जीवन-मूल्य के रूप में स्वीकार किया गया। बच्चों की गुल्लक, अनाज के कोठार, गहनों के रूप में सुरक्षित धन, और त्योहारों पर सीमित व सादगीपूर्ण खर्च-ये सब भारतीय जीवनशैली के अभिन्न अंग थे। संकट के समय भारतीय परिवार किसी के सामने हाथ फैलाने की बजाय अपनी जमा पूंजी और संसाधनों पर भरोसा करता था। यह आत्मनिर्भरता भारतीय समाज की शक्ति रही है। लेकिन बदलती जीवनशैली और बाजार-प्रेरित संस्कृति ने इस परंपरा को कमजोर किया है। आज जियो अभी की मानसिकता, आसान कर्ज, ईएमआई संस्कृति, क्रेडिट कार्ड, ऑनलाइन शॉपिंग और सोशल मीडिया पर दिखावे की प्रतिस्पर्धा ने खर्च को एक प्रकार की पहचान बना दिया है। उपभोग अब आवश्यकता से अधिक आकांक्षा से संचालित होने लगा है। अनुभवों, ब्रांड और त्वरित संतुष्टि को प्राथमिकता देने से दीर्घकालीन वित्तीय सुरक्षा पीछे छूटती जा रही है। विशेषकर जेन-जी और युवा मिलेनियल पीढ़ी के लिए बचत एक बोझ या भविष्य की अस्पष्ट चिंता जैसी प्रतीत होने लगी है। यह स्थिति भारतीय दर्शन की मूल भावना के विपरीत है। भारतीय विचार परंपरा न अति भोग की पक्षधर है, न अति त्याग की। संयम, संतुलन और विवेक का मार्ग ही श्रेष्ठ माना गया है। यही सिद्धांत आर्थिक जीवन में भी लागू होता है। उपभोग आवश्यक है, क्योंकि इससे अर्थव्यवस्था गतिशील रहती है, रोजगार सृजन होता है और नवाचार को प्रोत्साहन मिलता है। परंतु जब खर्च अनियंत्रित हो जाए और बचत उपेक्षित हो जाए, तब व्यक्ति ही नहीं, समाज और राष्ट्र भी असुरक्षित हो जाते हैं।

अनुभवों, ब्रांड और त्वरित संतुष्टि को प्राथमिकता देने से दीर्घकालीन वित्तीय सुरक्षा पीछे छूट रही है। भारतीय आर्थिक सोच में बचत को आर्थिक सुरक्षा और विकास का आधार माना जाता है, जहाँ घर-परिवार की आय का एक बड़ा हिस्सा (लगभग 70 प्रतिशत) घरेलू बचत से आता है, जो सोने, स्थायी जमा और पीपीएफ जैसी योजनाओं में होता है, लेकिन नई पीढ़ी में खर्च करो की सोच बढ़ी है, जिससे बचत की दरें घट रही हैं, जबकि वित्तीय साक्षरता और सरकारी योजनाओं (पीपीएफ, एनएससी, सुकन्या समृद्धि) के जरिए इसे फिर से बढ़ाने पर जोर है, क्योंकि बचत से ही निवेश और आर्थिक विकास संभव है। आज की वैश्विक परिस्थितियां इस असुरक्षा को और गहरा कर रही हैं। भू-राजनीतिक तनाव, युद्ध, जलवायु संकट, तकनीकी बदलाव और रोजगार की अनिश्चितता यह संकेत देती है कि भविष्य पहले से अधिक अस्थिर है। ऐसी स्थिति में बचत और निवेश दोनों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि भारतीय समाज अपनी बचत संस्कृति से दूर होता गया, तो दीर्घकाल में आर्थिक आत्मनिर्भरता कमजोर पड़ सकती है। विदेशी पूंजी पर निर्भरता बढ़ेगी और घरेलू संसाधनों की भूमिका सीमित होती जाएगी।

युवाओं को वित्तीय साक्षरता के माध्यम से बचत और निवेश का महत्व समझाना होगा। यह भी ध्यान देने योग्य है कि बचत में गिरावट का सीधा प्रभाव पारिवारिक एवं सामाजिक सुरक्षा पर पड़ता है। भारत में अभी भी व्यापक सामाजिक सुरक्षा तंत्र सीमित है। पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और बेरोजगारी सहायता जैसी व्यवस्थाएं पूरी आबादी को नहीं कवर करतीं। ऐसे में व्यक्तिगत और पारिवारिक बचत ही संकट के समय सहारा बनती है। यदि बचत घटती रही, तो आर्थिक झटकों का असर अधिक विनाशकारी होगा। समस्या केवल युवाओं की मानसिकता तक सीमित नहीं है। वित्तीय साक्षरता की कमी भी इसका एक बड़ा कारण है। आज भी बड़ी संख्या में युवा यह नहीं समझ पाते कि बचत और निवेश में अंतर क्या है, महंगाई का असर कैसे पड़ता है, और छोटी-छोटी नियमित बचत किस प्रकार दीर्घकाल में बड़ा संबल बन सकती है। तकनीक का उपयोग यदि उपभोग बढ़ाने में हो रहा है, तो उसी तकनीक का उपयोग बचत और निवेश को सरल और आकर्षक बनाने में भी किया जा सकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म, माइक्रो-सेविंग्स, स्वचालित निवेश योजनाएं और वित्तीय शिक्षा ऐप्स इस दिशा में प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं।

परिवार की भूमिका भी यहां अत्यंत महत्वपूर्ण है। बच्चों में विवेकपूर्ण खर्च और बचत की आदत बचपन से ही डाली जानी चाहिए। माता-पिता यदि स्वयं संतुलित व्यवहार अपनाएं, तो उसका प्रभाव स्वाभाविक रूप से अगली पीढ़ी पर पड़ता है। शिक्षा व्यवस्था में भी वित्तीय अनुशासन और आर्थिक साक्षरता को स्थान दिया जाना चाहिए, ताकि युवा पीढ़ी केवल कमाने पर ही नहीं, संभालने और संजोने पर भी ध्यान दे। यह याद रखना आवश्यक है कि भविष्य की चिंता करना भय नहीं, बल्कि बुद्धिमानी है। बचत का अर्थ जीवन का आनंद त्याग देना नहीं, बल्कि भविष्य के आनंद को सुरक्षित करना है। संतुलित खर्च और नियमित बचत से ही एक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और स्थिर समाज का निर्माण संभव है। भारत यदि आर्थिक महाशक्ति बनने का सपना देख रहा है, तो उसे केवल उपभोग-आधारित विकास से आगे बढ़कर बचत-संवर्धित विकास मॉडल अपनाना होगा। अंततः, बचत और खर्च के बीच संतुलन केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता है। आर्थिक अनुशासन अपनाकर ही हम भावी पीढ़ी के लिए मजबूत आधार तैयार कर सकते हैं। उभरती अर्थव्यवस्था की यह जिम्मेदारी है कि वह तात्कालिक उपभोग के आकर्षण से ऊपर उठकर दीर्घकालीन स्थिरता को प्राथमिकता दे। तभी भारत का आर्थिक उत्थान टिकाऊ, समावेशी और सुरक्षित बन सकेगा।

स्मैश से स्वप्न तक : काशी के कोर्ट पर उगा पूर्वांचल के युवाओं का भविष्य

-सुरेश गांधी

काशी की पहचान सहस्राब्दियों पुरानी है, यहाँ ज्ञान बहता है, संस्कार फलते हैं। पर खेल? लंबे समय तक खेल को यहाँ प्रतिभा तो मिली, मंच नहीं। गलियों में खेलते बच्चे थे, सपने थे, पर संसाधन सीमित। 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप ने इस ऐतिहासिक असंतुलन को तोड़ा। राष्ट्रीय मंच काशी आया, और काशी ने उसे भव्य अनुशासन, अतिथि-सत्कार और खेल-संस्कृति के साथ अपनाया। डॉ संपूर्णानंद स्टेडियम, सिगरा वाराणसी के फुल-हाउस फाइनल, तालियों की गड़गड़ाहट, और आठ दिनों तक चले सौ से अधिक मुकाबले, इन सबने यह प्रमाणित किया कि पूर्वांचल में खेल का दर्शक, संस्कार और संवेदना, तीनों मौजूद हैं। यह सिर्फ आयोजन नहीं, आत्म-स्वीकृति थी, कि हम तैयार हैं।

प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में यह आयोजन प्रतीकात्मक नहीं, नीतिगत है। जब शीर्ष नेतृत्व किसी क्षेत्र में खेल को प्राथमिकता देता है, तो संदेश स्पष्ट होता है, युवा ही भविष्य हैं। वर्चुअल उद्घाटन से लेकर मुख्यमंत्री की भौतिक उपस्थिति तक, शासन-प्रशासन की सक्रिय भागीदारी ने यह बताया कि खेल अब हाशिए पर नहीं, मुख्यधारा की नीति है। इस आयोजन ने काशी मॉडल प्रस्तुत किया, जहाँ नगर निगम, राज्य संघ, प्रशासन, स्वयंसेवक और समाज एक साथ खड़े दिखे। होटल, परिवहन, भोजन, चिकित्सा, सुरक्षा, हर स्तर पर व्यावसायिकता और संवेदनशीलता का संतुलन दिखा। यही वह मॉडल है जिसे पूर्वांचल के अन्य जिलों मिजार्पुर, भदोही, जौनपुर, चंदौली, आजमगढ़ में दोहराया जा सकता है।

खासकर किसी भी राष्ट्रीय आयोजन का सबसे बड़ा लाभ स्थानीय युवाओं को मिलता है। जब देश के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी सामने खेलते हैं, तो सपने यथार्थ बनते हैं। इस चैंपियनशिप ने यूपी और पूर्वांचल के खिलाड़ियों को यह एहसास कराया कि राष्ट्रीय स्तर दूर नहीं, बस तैयारी चाहिए। कोचिंग, स्काउटिंग, चयनकर्ता, रेफरी, सब एक ही छत के नीचे। यह दृश्य युवा खिलाड़ियों के लिए जीवंत कक्षा था। तकनीक, रणनीति, फिटनेस, मानसिक मजबूतीकृसब कुछ सीखने को मिला। खेल का यह प्रत्यक्ष पाठ किसी पाठ्यक्रम से बड़ा होता है। खेल आयोजन केवल पदक नहीं, अर्थव्यवस्था भी गढ़ते हैं। होटल बुकिंग, परिवहन, स्थानीय व्यवसाय, पर्यटन, सबको गति मिली। गंगा दर्शन, क्रूज, सांस्कृतिक अनुभव, मेहमान खिलाड़ियों ने काशी को खेल-पर्यटन के नक्शे पर देखा। यह वह बिंदु है जहाँ आस्था और अर्थ एक-दूसरे के पूरक बनते हैं।

महिला वर्ग का रोमांचक फाइनल, केरल बनाम रेलवे, सिर्फ खेल नहीं, सामाजिक संदेश था। अनुशासन, आक्रामकता और रणनीति के साथ खेलती महिलाएँ यह बताती हैं कि समान अवसर मिलें तो परिणाम असाधारण होते हैं। पूर्वांचल की बेटियों के लिए यह दृश्य प्रेरणा का दीप है कि मैदान भी उनका है, मंच भी। पुरुष वर्ग में रेलवे की संगठित रफ्तार और महिला वर्ग में केरल की सामूहिक जिद, दोनों ने उत्कृष्टता के मानक स्थापित किए। यह संदेश यूपी के खेल तंत्र के लिए स्पष्ट है, प्रतिभा के साथ संरचना जरूरी है। अकादमी, नियमित प्रतियोगिताएँ, खेल विज्ञान, इन पर निवेश ही अगली छलांग है।

सिगरा स्टेडियम का अनुभव बताता है कि सुविधा प्रेरणा बनती है। अच्छी लाइटिंग, फ्लोर, दर्शक व्यवस्था, इनसे खिलाड़ी बेहतर

खेलते हैं और दर्शक जुड़ते हैं। अब आवश्यकता है कि जिला स्तर पर मिनी इंडोर हॉल, ब्लॉक स्तर पर खेल मैदान, और विद्यालयों में प्रशिक्षित कोच उपलब्ध हों। काशी ने रास्ता दिखाया है, अब प्रदेश को गति देनी है। इस आयोजन की सफलता का रहस्य सामूहिकता है। स्वयंसेवकों की ऊर्जा, अधिकारियों की तत्परता, जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी, सबने मिलकर यह सिद्ध किया कि जब उद्देश्य स्पष्ट हो, तो परिणाम भव्य होते हैं। यह गवर्नेंस का खेल मॉडल हैकृजहाँ समन्वय जीतता है।

वार्षिक राष्ट्रीय/अंतरराज्यीय कैलेंडर, काशी को नियमित खेल गंतव्य बनाना। खेल अकादमी नेटवर्क, वॉलीबॉल के साथ एथलेटिक्स, कुश्ती, बैडमिंटन स्कॉलरशिप और स्पोर्ट्स जॉब लिंक, युवाओं को करियर सुरक्षा। महिला खेल विशेष पैकेज, कोचिंग, पोषण, मानसिक प्रशिक्षण। खेल-पर्यटन ब्रांडिंगकृकाशी स्पोर्ट्स वीक/फेस्टिवल। मतलब साफ है 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप ने यह सिद्ध कर दिया कि काशी केवल अतीत नहीं, भविष्य भी है। यह आयोजन स्मैश और ब्लॉक से आगे जाकर स्वप्न और संकल्प का उत्सव बना।

काशी, जहाँ शंखनाद से दिन का आरंभ होता है और आरती की लौ पर रात विश्राम पाती है, वहीं अब स्मैश की गूंज भी स्थायी स्मृति बन चुकी है। सिगरा स्टेडियम के इंडोर कोर्ट पर संपन्न 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप केवल एक खेल आयोजन नहीं रही; यह उत्तर प्रदेश, पूर्वांचल और विशेषकर प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के लिए भविष्य की नींव साबित हुई। 35 वर्षों बाद यूपी को मिली राष्ट्रीय मेजबानी और पहली बार बनारस में हुए इस महोत्सव ने यह स्पष्ट कर दिया कि काशी अब आध्यात्मिक राजधानी के साथ-साथ खेल चेतना की भी राजधानी बनने की ओर अग्रसर है। यह आयोजन उस समयबोध का प्रतीक है जब खेल को मनोरंजन नहीं, राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया के रूप में देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया संकल्प और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खेल-अवसंरचना केंद्रित विकास मॉडल ने जिस धरातल को तैयार किया, उस पर सिगरा स्टेडियम का यह राष्ट्रीय आयोजन आत्मविश्वास का पर्व बनकर उभरा

प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र से उठी यह खेल-चेतना यदि निरंतरता पाए, तो वह दिन दूर नहीं जब पूर्वांचल के युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर परचम लहराएँगे। काशी ने पहली मेजबानी में इतिहास रचा है। अब समय है कि इस इतिहास को परंपरा बनाया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ कह सकें : यहाँ मंत्र भी गूंजते हैं और मेडल भी।

काशी की मिट्टी ने सदियों से संत, शास्त्र और संस्कृति को जन्म दिया है, लेकिन इस बार इसी धरती ने सपनों को उड़ान दी। सिगरा स्टेडियम के इंडोर कोर्ट से उठती स्मैश की गूंज ने यह साफ कर दिया कि प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में अब केवल विरासत ही नहीं, भविष्य भी आकार ले रहा है। 35 वर्षों बाद उत्तर प्रदेश और पहली बार बनारस में आयोजित 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप ने पूर्वांचल को वह राष्ट्रीय मंच दिया, जिसकी कमी ने अब तक यहां की प्रतिभा को सीमित कर रखा था। यह आयोजन एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवा आत्मविश्वास, सामाजिक परिवर्तन और काशी के नवगौरव का उद्घोष बन गया। यह आयोजन बताता है कि काशी अब अतीत की विरासत ही नहीं, भविष्य की संभावनाओं की भी भूमि है।

करीब 35 वर्षों बाद उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर की सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप की मेजबानी मिली और पहली बार यह अवसर बनारस को प्राप्त हुआ। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में हुए इस आयोजन ने एक स्पष्ट संदेश दिया–खेल अब हाशिए पर नहीं, विकास की मुख्यधारा में है। यह संदेश सिर्फ खिलाड़ियों तक सीमित नहीं, बल्कि उन लाखों युवाओं तक पहुंचा है जो संसाधनों के अभाव में अपने सपनों को मन ही मन दबा देते थे।

पूर्वांचल लंबे समय तक प्रतिभा के बावजूद मंच के अभाव से जूझता रहा। गांव-देहात और कस्बों में खेलते बच्चे, सीमित संसाधनों में अभ्यास करते युवा–इन सबके भीतर क्षमता थी, पर अवसर नहीं। काशी में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता ने इस दूरी को पाटने का काम किया। जब देश के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी एक ही कोर्ट पर खेलते दिखे, तो स्थानीय युवाओं के लिए यह सिर्फ मुकाबला नहीं, सपनों का सजीव पाठ था। यह आयोजन बताता है कि खेल केवल पदक या ट्रॉफी तक सीमित नहीं होते। खेल अनुशासन सिखाता है, टीमवर्क गढ़ता है और हारझजीत से ऊपर उठकर संघर्ष की ताकत देता है। यही गुण किसी भी समाज को आगे ले जाते हैं। पूर्वांचल के युवाओं के लिए यह संदेश बेहद अहम है, जहां रोजगार और अवसर की तलाश अक्सर महानगरों की ओर पलायन कराती रही है। खेल इस प्रवृत्ति को रोकने का एक सशक्त माध्यम बन सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में इस आयोजन का होना महज संयोग नहीं है। यह उस नीतिगत सोच का परिणाम है, जिसमें खेल को राष्ट्र निर्माण का माध्यम माना गया है। ह्यखेलो इंडियाह्ण जैसी पहल और राज्य सरकार द्वारा खेल अवसंरचना पर किया जा रहा निवेश अब धरातल पर दिखने लगा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया और यह भरोसा दिया कि शासन खेल प्रतिभाओं के साथ खड़ा है। काशी में इस सफल आयोजन ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि यदि प्रशासन, स्थानीय निकाय और समाज मिलकर कामि कोशिश करें, तो पूर्वांचल जैसे क्षेत्र भी राष्ट्रीय आयोजनों के लिए पूरी तरह सक्षम हैं। सिगरा स्टेडियम का फुल हाउस रहना यह दर्शाता है कि यहां खेल देखनेझसमझने वाला दर्शक वर्ग मौजूद है।

यह आयोजन एक शुरूआत है, मंज़िल नहीं। अब आवश्यकता है कि जिला और ब्लॉक स्तर पर खेल सुविधाओं का विस्तार हो, स्कूलझकॉलेजों में प्रशिक्षित कोच और नियमित प्रतियोगिताएं हों, खेल को करियर से जोड़ा जाए ताकि प्रतिभा आर्थिक असुरक्षा के डर से पीछे न हटे। पूर्वांचल की धरती पर राष्ट्रीय खेल चेतना का उदय यह संकेत है कि बदलाव की लहर चल पड़ी है। काशी ने पहली मेजबानी में यह साबित कर दिया कि वह केवल परंपरा की वाहक नहीं, भविष्य की निमार्ता भी है। यदि यह सिलसिला निरंतर चला, तो वह दिन दूर नहीं जब पूर्वांचल के युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे। खेल के इस नवजागरण ने काशी को नया गौरव दिया है।

ऋतु परिवर्तन का लोकउत्सवः लोहड़ी और नई ऋतु की दस्तक

-प्रियंका सौरभ

भारत की लोकपरंपराएँ केवल पर्व-त्योहार नहीं होतीं, वे समाज की सामूहिक स्मृति, प्रकृति-बोध और जीवन-दर्शन की जीवित अभिव्यक्तियाँ होती हैं। ये परंपराएँ समय के साथ बदलती जरूर हैं, लेकिन अपने मूल में वे मनुष्य और प्रकृति के रिश्ते को सहेज कर रखती हैं। उत्तर भारत में मनाया जाने वाला लोहड़ी ऐसा ही एक लोकपर्व है, जो सर्दियों की विदाई और वसंत के स्वागत का प्रतीक बनकर सामने आता है। यह पर्व केवल मौसम के बदलने की सूचना नहीं देता, बल्कि जीवन-दृष्टि के बदलते अध्याय की घोषणा करता है–जहाँ ठिठुरन के बाद ऊष्मा, अंधकार के बाद प्रकाश और ठहराव के बाद नई ऊर्जा का आगमन होता है।

लोहड़ी का उत्सव प्रकृति के उस चक्र का उत्सव है, जिसमें हर ठहराव के बाद गति और हर कठिनाई के बाद संभावना जन्म लेती है। यह पर्व हमें यह याद दिलाता है कि जीवन केवल संघर्ष नहीं है, बल्कि संघर्ष के बाद आने वाली राहत और उम्मीद भी उतनी ही सच्ची है। यही कारण है कि लोकसमाज ने इसे केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि सामूहिक भावबोध का पर्व बनाया।

लोहड़ी का मूल कृषि-जीवन से गहराई से जुड़ा हुआ है। उत्तर भारत का किसान रबी की फसलों की बुवाई के बाद जब खेतों में हरियाली देखता है, तब उसके भीतर आशा का संचार होता है। गेहूँ, सरसों और चने की लहलहाती फसलें आने वाले समय की समृद्धि का संकेत देती हैं। लोहड़ी उसी आशा का उत्सव है। यह पर्व किसान की मेहनत, धैर्य और प्रकृति पर उसके विश्वास को सम्मान देता है। आग के चारों ओर एकत्र होकर तिल, गुड़, मूंगफली और रेवड़ी अर्पित करना केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का सामूहिक भाव है। आग यहाँ शुद्धि का प्रतीक है–बीते दिनों की ठंड, कष्ट, निराशा और असफलताओं को भस्म कर आगे बढ़ने का संकल्प। लोकजीवन में आग केवल ताप नहीं देती, वह एकजुटता भी देती है। ठंडी रात में आग के चारों ओर खड़े लोग केवल शरीर नहीं, मन भी गरम करते हैं।

लोहड़ी की परंपरा में लोककथाओं और लोकगीतों की विशेष भूमिका है। दुल्ला भट्टी की कथा लोहड़ी को केवल मौसमी पर्व नहीं रहने देती, बल्कि सामाजिक चेतना का प्रतीक बना देती है। दुल्ला भट्टी का चरित्र अन्याय के विरुद्ध खड़े होने, कमजोर की रक्षा करने और स्त्री-सम्मान के मूल्य को रेखांकित करता है। यह लोकगाथा बताती है कि लोकसंस्कृति केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि नैतिक शिक्षा का भी माध्यम है।

गाँव-समाज में लोहड़ी का उत्सव सामूहिकता का पाठ पढ़ाता है। अमीर-गरीब, छोटे-बड़े, स्त्री-पुरुष–सब आग के चारों ओर समान रूप से खड़े होते हैं। यह बराबरी का वह क्षण है, जहाँ सामाजिक भेदभाव कुछ समय के लिए पिघल जाते हैं। लोकगीतों में सामूहिक स्वर होता है, नायक अकेला नहीं होता–पूरा समाज उसका सहभागी बनता है।

लोहड़ी बच्चों के लिए भी एक संस्कारात्मक अवसर होती है। जब बच्चे बुजुर्गों से लोकगीत सुनते हैं, कथाएँ जानते हैं और परंपराओं में भाग लेते हैं, तब वे केवल उत्सव नहीं मनाते, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़ते हैं। यही लोकपरंपराओं की सबसे बड़ी ताकत है–वे पीढ़ियों के बीच संवाद कायम रखती हैं।

लेकिन समय के साथ-साथ पर्वों का स्वरूप भी बदला है। शहरीकरण, उपभोक्तावाद और दिखावे की संस्कृति ने लोकपर्वों को भी प्रभावित किया है। आज कई जगह लोहड़ी सामूहिक सहभागिता की बजाय व्यक्तिगत प्रदर्शन बनती जा रही है। पारंपरिक लोकगीतों की जगह तेज संगीत, सादगी की जगह दिखावा और प्रकृति-सम्मत उत्सव की जगह अनावश्यक खर्च दिखाई देता है। इससे पर्व का मूल भाव कहीं-न-कहीं कमजोर पड़ता है।

यह परिवर्तन अपने आप में बुरा नहीं है, लेकिन समस्या तब होती है जब अर्थ खो जाता है। यदि पर्व केवल फोटो, वीडियो और सोशल मीडिया की सामग्री बनकर रह जाए, तो वह लोकसंस्कृति नहीं रह पाता। लोकपर्वों की आत्मा सहभागिता, सादगी और सामूहिक स्मृति में बसती है, न कि बाजार में बिकने वाली सजावट में। आज आवश्यकता है कि लोहड़ी जैसे पर्वों को पर्यावरण-संवेदनशीलता और सामाजिक समावेशन के साथ मनाया जाए। बढ़ते प्रदूषण और संसाधनों की कमी के दौर में यह जरूरी है कि हम अनावश्यक जलावन, प्लास्टिक और शोर से बचें। लोकपर्वों की सादगी ही उनकी सबसे बड़ी सुंदरता है। साथ ही, इन पर्वों को बच्चों के लिए शिक्षण का माध्यम बनाया जा सकता है। उन्हें यह बताया जाए कि लोहड़ी केवल आग और गीत का पर्व नहीं, बल्कि किसान के श्रम, प्रकृति के चक्र और सामूहिक जीवन का उत्सव है। जब बच्चे परंपराओं का अर्थ समझते हैं, तब वे उन्हें केवल निभाते नहीं, बल्कि आगे बढ़ाते हैं। वसंत का आगमन केवल मौसम का परिवर्तन नहीं है, बल्कि आशा का पुनर्जन्म है। ठंडी और लंबी रातों के बाद दिन का लंबा होना मनुष्य को मानसिक रूप से भी ऊर्जा देता है। प्रकृति में रंग लौटते हैं, फूल खिलते हैं और जीवन में गति आती है। लोहड़ी उसी परिवर्तन का उत्सव है–यह हमें सिखाती है कि जीवन स्थिर नहीं है, हर अंधकार के बाद उजाला आता है। आज के तनावपूर्ण और अनिश्चित समय में लोकपर्वों का महत्व और बढ़ जाता है। ये पर्व हमें रुककर साँस लेने, एक-दूसरे से मिलने और सामूहिक खुशी साझा करने का अवसर देते हैं। जब जीवन लगातार प्रतिस्पर्धा और अकेलेपन की ओर बढ़ रहा हो, तब ऐसे लोकउत्सव हमें सामुदायिक जीवन की याद दिलाते हैं।

अंततः, लोहड़ी हमें यह सिखाती है कि परंपरा तब जीवित रहती है जब वह समय के साथ संवाद करती है–अपने मूल्यों को थामे रखते हुए नए संदर्भों में प्रासंगिक बनी रहती है। सादगी, सामूहिकता, प्रकृति के प्रति सम्मान और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टि–यदि ये भाव बने रहें, तो हर लोहड़ी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि समाज के लिए नई ऊर्जा का स्रोत बन सकती है।

लोहड़ी का अलाव केवल सर्दी नहीं जलाता, वह निराशा, अकेलेपन और जड़ता को भी भस्म करता है। यही कारण है कि यह लोकपर्व आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना सदियों पहले था। ऋतु परिवर्तन का यह लोकउत्सव हमें याद दिलाता है–जीवन में परिवर्तन अनिवार्य है, और हर परिवर्तन अपने साथ नई शुरूआत की संभावना लेकर आता है।

पंच परिवर्तन से राष्ट्र निर्माण

-विक्रम दयाल

विश्व हिंदू परिषद हिंदू समाज की सेवा और सुरक्षा के लिए काम करता है। इसका उद्देश्य हिंदू समाज को एकजुट करना, हिंदू धर्म की रक्षा करना, और गौहत्या और धर्मांतरण जैसे मामलों को रोकना है। विश्व हिंदू परिषद के कार्यः हिंदू समाज की एकताः विहिप हिंदू समाज को एकजुट करने के लिए काम करता है। हिंदू धर्म की रक्षाः विहिप हिंदू धर्म की रक्षा के लिए काम करता है। गौहत्या रोकनाः विहिप गौहत्या को रोकने के लिए काम करता है। धर्मांतरण रोकनाः विश्व हिंदू परिषद धर्मांतरण को रोकने के लिए काम

करता है। सामाजिक सेवाः विश्व हिंदू परिषद सामाजिक सेवा के लिए काम करता है, जैसे की शिक्षा और स्वास्थ्य सेवायें प्रदान करना है। विश्व हिंदू परिषदः रक्षाबंधन, नवरात्रि और हिंदू एकता यात्रा का आयोजन करते रहता है। विश्व हिंदू परिषद की पंच परिवर्तन से राष्ट्र निर्माण एक महत्वपूर्ण विषय है। पंच परिवर्तन से तात्पर्य है पांच प्रमुख क्षेत्रों में परिवर्तन लाना, जो राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक है। वह पंच परिवर्तन क्या है आइये इसे समझें। स्वच्छताः स्वच्छता और सफाई को बढ़ावा देना। उदाहरणः स्वच्छ भारत अभियान, कूड़ा प्रबंधन, शौचालय निर्माण। शिक्षाः शिक्षा को अधिक सुलभ और गुणवत्ता पूर्ण बनाना। उदाहरणः शिक्षा का अधिकार, डिजिटल शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण। स्वास्थ्यः स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना, और लोगों को स्वस्थ रखना। उदाहरणः आयुष्मान भारत, टीकाकरण, स्वास्थ्य जागरूकता। संस्कृतः संस्कृत और परंपराओं को संरक्षित और प्रोत्साहित करना। उदाहरणः सांस्कृतिक उत्सव, कला और संस्कृत को बढ़ावा देना। सामाजिक समरसताः सामाजिक समरसता और एकता को बढ़ावा देना। उदाहरणः सामाजिक न्याय, समानता, भाईचारा। राष्ट्र निर्माण में पंच परिवर्तन का महत्वः सामाजिक विकासः पंच परिवर्तन से समाज में सकारात्मक परिवर्तन आ सकता है। आर्थिक विकासः स्वच्छता, शिक्षा और स्वास्थ्य मैं सुधार से आर्थिक विकास हो सकता है। राष्ट्रीय एकता; पंच परिवर्तन से राष्ट्रीय एकता और समरसता को बढ़ावा मिल सकता है। सामाजिक न्यायः पंच परिवर्तन से

सामाजिक न्याय और समानता को बढ़ावा मिल सकता है। स्वच्छताः एक महत्वपूर्ण विषय है जो हमारे जीवन को प्रभावित करता है। स्वच्छता का अर्थ है हमारे आसपास के वातावरण को साफ एवम् स्वच्छ रखना। स्वच्छता से बीमारियों को रोकने में मदत मिलती है। स्वच्छता से वातावरण साफ सुथरा रहता है। स्वच्छता से मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। स्वच्छता के उपायः- नियमित रूप से हाथ देना। कूड़ा प्रबंधन करना। शौचालय का उपयोग करना। स्वच्छता अभियान में भाग लेना। *शिक्षाः- शिक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है जो हमारे जीवन को आकार देता है। शिक्षा का अर्थ है ज्ञान और कौशल को अर्जित करना। शिक्षा के फायदेः शिक्षा से ज्ञान और कौशल में वृद्धि होती है। आत्मविश्वास बढ़ता है। आर्थिक विकास मैं मदत मिलती है। शिक्षा के उपायः शिक्षा का अधिकार । गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना। शिक्षक प्रशिक्षण। डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देना। स्वास्थ्यः- स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण विषय है जो हमारे जीवन को प्रभावित करता है। स्वास्थ्य का अर्थ है शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना।

स्वास्थ्य के फायदेः स्वास्थ्य से विमारियों को रोकने मैं मदत मिलती है। उर्जा और शक्ति बढ़ती है। मानसिक स्वास्थ्य मैं सुधार होता है। स्वास्थ्य के उपायः संतुलित आहार लेना। नियमित व्यायाम करना। पर्याप्त नींद लेना। स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना। संस्कृतः- संस्कृत एक महत्वपूर्ण विषय है जो हमारे जीवन को आकार देता है। संस्कृत का अर्थ है हमारी परंपराएं, रीति रिवाज और कला। संस्कृत के फायदेः संस्कृत से हमारी पहचान को बढ़ावा मिलता है। सामाजिक एकता बढ़ती है। कला और संस्कृत को बढ़ावा मिलता है। संस्कृत के उपायः सांस्कृतिक उत्सव मनाना। कला और संस्कृत को बढ़ावा देना। परंपराओं को संरक्षित करना। संस्कृत के बारे मैं जागरूकता बढ़ाना। सामाजिक समरसताः- सामाजिक समरसता एक महत्वपूर्ण विषय है जो हमारे जीवन को प्रभावित करता है। सामाजिक समरसता का अर्थ है समाज मैं एकता और भाईचारा बढ़ाना। सामाजिक समरसता के फायदेः सामाजिक समरसता से समाज में सामाजिक एकता बढती है। भाईचारा बढ़ता है। सामाजिक न्याय बढ़ता है। सामाजिक समरसता के उपायः सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना। समानता को बढ़ावा देना। भाईचारे को बढ़ावा देना। सामाजिक जागरूकता बढ़ाना।

अपसा इंटर स्कूल क्रिकेट टूनार्मेंट 2026 का भव्य आगाज

पटना। अपसा (अन-ऐडेड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन) के तत्वावधान में स्वामी विवेकानंद जयंती (युवा दिवस) के अवसर पर गर्दनीबाग एथलेटिक्स क्लब में अपसा इंटर स्कूल क्रिकेट टूनार्मेंट-2026 का शुभारंभ किया गया। इस टूनार्मेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि अखिल भारतीय कुशवाहा समाज, भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष नागमणि कुशवाहा, विशिष्ट अतिथि पटना के पूर्व महापौर श्याम बाबू राय, अपसा के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार झा एवं सचिव राकेश कुमार रंजन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस टूनार्मेंट में अपसा अंतर्गत विभिन्न स्कूलों की कुल 16 टीमों ने भाग लिया। उद्घाटन मैच की शुरूआत टर्निंग पॉइंट स्कूल एवं द सनबीन अकेडमी के बीच खेला गया जिसमें द सनबीन अकेडमी विजेता रहा। इसके बाद एस वी एन वर्ल्ड स्कूल और मौर्या पब्लिक हाई स्कूल के बीच दूसरा मैच हुआ जिसमें एस वी एन वर्ल्ड स्कूल विजेता रहा। वहीं तीसरा मैच होली विजन इंटरनेशनल स्कूल और संत मैरी इंटरनेशनल स्कूल के बीच खेला गया जिसमें होली विजन इंटरनेशनल स्कूल विजेता रहा।

श्री राम जानकी सेवा संस्था अध्यक्ष संजय ठाकुर को पितृ शोक

पालघर (उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर पूर्व क्षेत्र में सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय श्री राम जानकी सेवा संस्था के अध्यक्ष संजय ठाकुर के पूज्य पिताजी का शनिवार 10 जनवरी 2026 को 75 वर्ष की आयु में दुखद निधन हो गया। उनका देहांत बिहार के दरभंगा जिले के मनिकौली गांव स्थित पैतृक निवास पर हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार वे पिछले कुछ समय से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। चार दिन पूर्व उनकी तबीयत अचानक अधिक बिगड़ गई, जिसके बाद परिजन उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों द्वारा भरसक प्रयास के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। वे अपने पीछे धर्मपत्नी, दो पुत्र एवं तीन पुत्रियों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गये। उनके निधन की खबर मिलते ही बोईसर क्षेत्र के साथ-साथ उनके पैतृक गांव मनिकौली में भी शोक की लहर दौड़ गई। श्री राम जानकी सेवा संस्था के अध्यक्ष संजय ठाकुर के पिता के निधन पर सामाजिक, धार्मिक व राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े अनेक लोगों ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है।

चौकीदार ही निकला चोर समाजवादी पार्टी की सभा में अबू आसिम आजमी का विधायक रईस शेख पर तीखा प्रहार

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक अबू आसिम आजमी ने भिवंडी के विधायक रईस शेख पर कड़े शब्दों में हमला बोलते हुए कहा कि हमारा चौकीदार ही चोर निकला। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक रईस शेख अपनी विधायक पद की हनक दिखा रहे हैं, जबकि उन्होंने कभी अपने पद का घमंड नहीं किया। अबू आजमी ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने जिस बच्चे को पाल-पोसकर बड़ा किया, वही आज कांग्रेस के साथ जाकर दलाली कर रहा है और कांग्रेस व राष्ट्रवादी कांग्रेस के उम्मीदवारों को जिताने की जिम्मेदारी उठा रहा है। मुस्लिम बहुल भिवंडी शहर में समाजवादी पार्टी का बड़ा जनाधार रहा है, जिसकी बदौलत रईस शेख लगातार दो बार सपा के विधायक बने। लेकिन अब उन्होंने पार्टी के खिलाफ जाकर कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) के उम्मीदवारों का समर्थन किया है। इसी पृष्ठभूमि में अबू असीम आजमी रविवार शाम पहली बार भिवंडी पहुंचे। शांतीनगर स्थित केजीएन चौक पर आयोजित भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवारों के प्रचार सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने विधायक रईस शेख और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और समाजवादी पार्टी के उम्मीदवारों को विजयी बनाने की अपील की। सभा में अजय यादव, रियाज आजमी, अनस अंसारी, रिजवान मिस्टर सहित पार्टी के उम्मीदवार और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। अबू आजमी ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर रईस शेख को गद्दारों के साथ जाना है तो वे शौक से जाएं, लेकिन पहले समाजवादी पार्टी की विधायक पद से इस्तीफा दें। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी ने उन्हें विधायक बनाया, उसी पार्टी के खिलाफ दूसरे दलों के साथ जाना गद्दारी है। हमारे खून में गद्दारी नहीं है ऐसा कहते हुए अबू आजमी ने 15 तारीख तक इंतजार कर कार्रवाई करने का भी इशारा दिया।

भिवंडी में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवारों को प्रचार रैली व सभाओं में मिल रहा भारी जनसमर्थन से विरोधी पार्टियों में खलबली

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी महानगरपालिका चुनाव की तारीख नजदीक आते ही शहर का सियासी माहौल गरमाता जा रहा है। इस बीच समाजवादी पार्टी (सपा) के उम्मीदवारों के पक्ष में मतदाताओं का रुझान साफ तौर पर दिखाई देने लगा है। प्रचार रैलियों और चुनावी सभाओं में उमड़ रही भारी भीड़ से सपा का माहौल एकतरफा नजर आ रहा है। वार्ड क्रमांक-3 में आयोजित सपा की रैली में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी ने पार्टी कार्यकर्ताओं और उम्मीदवारों का उत्साह बढ़ा दिया है। इस वार्ड से 3-अ से जयमाला पाटिल, 3-ब से राधिका राहुल जुकर, 3-क से संतोष राय और 3-ड से रहनुमा खालिद (गुड्डू) शेख चुनावी मैदान में अपनी दावेदारी मजबूत कर रहे हैं। सपा उम्मीदवार अपने चुनावी प्रचार में स्थानीय जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठा रहे हैं। इनमें मोहल्लों की सफाई व्यवस्था, सीवरेज सिस्टम को बेहतर बनाना, पीने के साफ पानी की नियमित व पर्याप्त आपूर्ति, गड्ढों वाली सड़कों की मरम्मत व नई सड़कों का निर्माण, स्ट्रीट लाइट और बिजली की समस्या का स्थायी समाधान, कचरा उठाने व ड्रेनेज व्यवस्था को दुरुस्त करना शामिल है। इसके साथ ही बीमार व जरूरतमंद लोगों के लिए बेहतर इलाज की सुविधा, स्कूलों की स्थिति में सुधार, शिक्षा व शिक्षकों की कमी दूर करना, बच्चों के लिए पार्क व खेल के मैदान, महिलाओं व बुजुर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने जैसे मुद्दों पर सपा चुनाव मैदान में उतरी है। चुनाव प्रचार को और धार देने के लिए समाजवादी पार्टी के लिए उत्तर प्रदेश विधायक और सांसद भी भिवंडी में प्रचार कर रहे हैं। वहीं, रैलियों में फिल्म अभिनेता एजाज खान की मौजूदगी भी लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। एजाज खान सपा के समर्थन में मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील कर रहे हैं। कुल मिलाकर, सपा की रैलियों और सभाओं में मिल रहे भारी जनसमर्थन से यह संकेत मिल रहा है कि भिवंडी मनपा चुनाव में समाजवादी पार्टी मजबूत स्थिति में दिखाई दे रही है।

कैंसर जागरूकता का संदेश लेकर कश्मीर से कन्याकुमारी तक साइकिल यात्रा पर निकले मोहित शेखावत का बोईसर में भव्य स्वागत

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। कैंसर जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारी के प्रति जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से कश्मीर से कन्याकुमारी तक साइकिल यात्रा पर निकले मोहित शेखावत का रविवार 11 जनवरी की शाम बोईसर में भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। शाम लगभग 7 बजे मोहित शेखावत पालघर जिले के बोईसरझचित्रालय स्थित होटल सम्राट पहुंचे, जहां स्थानीय पत्रकारों एवं समाजसेवियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

इस अवसर पर मोहित शेखावत ने बताया कि उनके पिता का निधन कैंसर जैसी बीमारी के कारण हुआ था। इसी व्यक्तिगत पीड़ा ने उन्हें समाज को कैंसर के प्रति जागरूक करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि समय पर जांच, सही जानकारी और उचित उपचार से कैंसर जैसी बीमारी पर भी विजय पाई जा सकती है। करीब 4800 किलोमीटर की इस साइकिल यात्रा के माध्यम से मोहित शेखावत देश के विभिन्न राज्यों से गुजरते हुए आम नागरिकों को कैंसर के शुरूआती लक्षणों, बचाव के उपायों, नियमित स्वास्थ्य जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दे रहे हैं। विशेष रूप से वे युवाओं से नशे से दूर रहने, नियमित व्यायाम करने और संतुलित आहार अपनाने की

अपील कर रहे हैं।

बोईसरझचित्रालय स्थित होटल सम्राट में हुए स्वागत कार्यक्रम के दौरान बोईसरझपालघर पत्रकार संघ के अध्यक्ष रामप्रकाश निराला, उपाध्यक्ष प्रवीण पाटिल, समाजसेवी आनंद पाटील, दादासाहब खरात, सुरेश माली, बाबूभाई सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने मोहित शेखावत के साहस, समर्पण और संकल्प की सराहना करते हुए उनके अभियान को जनहित में अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। स्थानीय पत्रकारों ने भी इस जागरूकता अभियान को व्यापक स्तर तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। मोहित शेखावत ने कहा कि यह साइकिल यात्रा उनके लिए केवल एक अभियान नहीं, बल्कि उनके पिता को दी गई सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनकी इस पहल से समाज में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और लोग समय रहते जांच कराकर अपने जीवन की रक्षा कर सकेंगे।

खारघर में स्नेह मिलन व कवि सम्मेलन सम्पन्न

नवी मुंबई (उत्तरशक्ति)। हिंदी भाषी विकास महासंघ व पूर्वांचल ग्लोबल फाउंडेशन की तरफ से खारघर, नवी मुंबई स्थित श्री राघवेन्द्र स्वामी मठ में एक भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। हास्य कवि सुरेश, लाफ्टर चैंपियन फेम सुनील सावरा, योगेश मिश्र व सूरज त्रिपाठी ने अपनी हास्य व्यंग कविताओं से श्रोताओं को लोटपोट कर दिया। सुरेश मिश्र ने हंसाते -हंसाते बेटी के नाम खत कविता पढ़कर श्रोताओं की आंखों को नम कर दिया।प्रतापगढ़ के पूर्व सांसद व उद्योगपति कुंवर हरिवंश सिंह, जौनपुर बदलापुर के विधायक रमेश मिश्र, प्रशांत ठाकुर, समाजसेवा विश्वनाथ दूबे ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संस्था प्रमुख हेमंत सिंह, अमरीश सिंह और प्रमोद सिंह ने अतिथियों का सम्मान किया।

सम्मान कार्यक्रम का संचालन वीरेंद्र तिवारी ने किया।सभी वक्ताओं ने अपने वक्तव्य में उत्तर भारतीयों की एकजुटता पर बल दिया। कवि सम्मेलन का संचालन योगेश मिश्रा ने किया।

चोरी करने वाला आरोपी को चोरी की गई संपत्ति के साथ नवघर पुलिस ने किया गिरफ्तार

मीरा भयंदर (उत्तर शक्ति)। भायंदर पूर्व नवघर पुलिस स्टेशन की अपराध जांच टीम का शानदार प्रदर्शन। नवघर पुलिस स्टेशन, अपराध पंजीकरण संख्या 1 23/2026। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), 2023 की धारा 309 (4) के तहत मामला दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता श्रीमती रीना बाबुल गोम्स, उम्र 64 वर्ष, गृहिणी, निवासी राम जानकी चॉल, कमरा नंबर 10, बादशाह मैदान के पास, नवघर गांव, भायंदर पूर्वी तालुका, जिला ठाणे, एक वरिष्ठ नागरिक महिला हैं। 07.01.2026 को लगभग 19:15 बजे, जब वह भायंदर पूर्वी तालुका, जिला ठाणे में बादशाह मैदान के पास नगर पालिका विद्यालय के निकट एक गली में पैदल चल रही थीं, तभी एक अज्ञात व्यक्ति, जिसकी उम्र 30 से 35 वर्ष के बीच थी, पीछे से आया और जबरदस्ती उनकी गर्दन से 2,00,000 रुपये की सोने की चेन छीन ली। शिकायतकर्ता की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। उक्त अपराध डकैती का है और अपराध की गंभीरता को देखते हुए, इसकी सूचना तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई और उनके मार्गदर्शन में अपराध की जांच शुरू की गई और कुशलतापूर्वक जांच की गई। यह पाया गया कि उक्त अपराध राम छबुराव पंडित नामक 40 वर्षीय व्यक्ति द्वारा किया गया था। इसके आधार पर, उसकी तलाशी ली गई, उसे हिरासत में लिया गया और तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया तथा अपराध में चोरी की गई 2,00,000 रुपये मूल्य की सोने की चेन उससे जब्त की गई। आरोपी राम छबुराव पंडित एक आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ हत्या, डकैती और गंभीर चोट के मामले दर्ज किए गए हैं। उक्त प्रदर्शन मार्गदर्शन में किया गया। निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त, मिनिस्ट्री। भा. वी. वी. पुलिस आयुक्तालय, दत्तात्रेय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, राहुल चव्हाण पुलिस उपायुक्त, जोन 01, सोहेल शेख, सहायक पुलिस आयुक्त, नवघर डिवीजन, धीरज कोली, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, नवघर पुलिस स्टेशन, पोनी दत्तात्रय धूमे अपराध साथ ही सपोनी अमोल तालेकर, पौनिरी संपत अहेर, सफी जयप्रकाश जाधव, पोहवा भूषण पाटिल, सुरेश चव्हाण, नवनाथ घुगे, सूरज सिंह घुनावत, ओंकार यादव, पोशी संकेत मगर, नवनाथ पवार, उमेश असवार, अपराध जांच शाखा के एमपोशी रोहिणी. इस अपराध में कडाले और मसूब कुणाल हिवाले शामिल हैं। अपराध जांच दल के सपोनी अमोल तालेकर द्वारा उक्त अपराध की आगे की जांच की जा रही है।

मेफेड्रोन नामक नशीला पदार्थ बेचने आए व्यक्ति गिरफ्तार

नारकोटिक्स सेल अंमली पदार्थ विरोधी कक्ष 2 की कार्रवाई

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। वसई पूर्व का मामला है। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री के साथ-साथ अवैध शराब की बिक्री और निर्माण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के दिए गए आदेशों के अनुसार, दिनांक 10/01/2026 को नारकोटिक्स सेल-2 की टीम गश्त कर रही थी। इस दौरान वसई पश्चिम स्थित एस.टी. बस डिपो परिसर में दिनेश बाबूलाल यादव (निवासी- भाजी मार्केट परिसर, कमाठीपुरा, मुंबई) की संदिग्ध हलचलें दिखाई देने पर, दो गवाहों की उपस्थिति में उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास से 40 ग्राम वजन का मेफेड्रोन (एम.डी.) नामक नशीला पदार्थ बरामद हुआ, जिसकी कीमत 8,00,000 रुपये बताई जारही है। उक्त नशीले पदार्थ को जब्त कर उसके विरुद्ध माणिक पुर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

दिनेश बाबूलाल यादव को इस अपराध में गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच माणिक पुर पुलिस कर रही है। यह कार्रवाई निकेत कौशिक (पुलिस आयुक्त), दत्तात्रय शिंदे अपर पुलिस आयुक्त, संदीप डोईफोड़े पुलिस उप-आयुक्त, अपराध, मदन बल्लाल सहायक पुलिस आयुक्त, प्रकटीकरण के मार्गदर्शन में नारकोटिक्स सेल-2 के प्रभारी पुलिस निरीक्षक ऋषिकेश पवळ, सहायक पुलिस निरीक्षक सागर शिंदे, स.फौ. आसिफ मुल्ला, पो.हवा. अमित चव्हाण, सुधीर नरले, पो.अं. अंगद मुळे, अजित मैड, राजकुमार गायकवाड, नितीन राठोड, प्रितेश खैरनार और किरण रसाल द्वारा यह कार्रवाई की गई है।

घाटकोपर की बेस्ट कॉलोनी में भव्य हरिनाम सप्ताह समारोह संपन्न

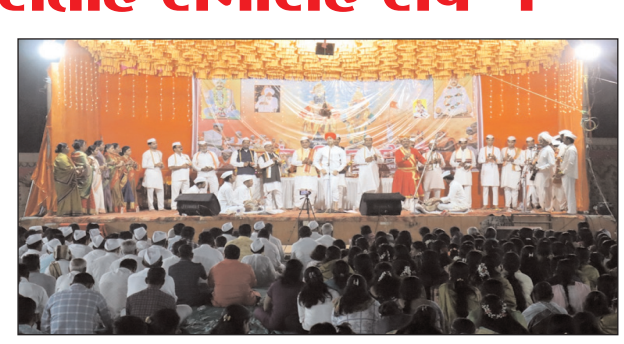

मुंबई (उत्तरशक्ति)। घाटकोपर पूर्व स्थित बेस्ट बस डेपो के पीछे स्थित बेस्ट कॉलोनी में वैराग्य मूर्ति संत वामनभाऊ और संत भगवान बाबा की पुण्यतिथि के अवसर पर तीन दिवसीय अखंड हरिनाम सप्ताह श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। इस धार्मिक आयोजन का आयोजन बेस्ट कॉलोनी उत्सव समिति, एस. के. सुपर मार्केट तथा संत भगवान बाबा एवं संत वामनभाऊ वारकरी संप्रदाय मंडल के संयुक्त तत्वावधान में 9 से 11 जनवरी के दौरान किया गया। हरिनाम सप्ताह की शुरूआत दादा महाराज काटे के हाथों संतों की प्रतिमाओं के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। तीन दिनों तक चले इस भक्तिमय कार्यक्रम में हरिपाठ, जागरण, प्रवचन, कीर्तन और भजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के पहले दिन भागवताचार्य योगेश महाराज आव्हाड का प्रभावशाली प्रवचन हुआ। दूसरे दिन रोहिणी परांजपे ने अपने कीर्तन से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। तीसरे दिन काल्याचे कीर्तन माऊली महाराज पठाडे द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर स्वरानंद मृदुंग क्लास के विद्यार्थियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। हरिनाम सप्ताह के अंतिम दिन संपूर्ण बेस्ट कॉलोनी परिसर में भव्य दिंडी प्रदक्षिणा निकाली गई। पांडुरंग की पालकी के साथ निकली इस शोभायात्रा से पूरा परिसर वारकरी संप्रदाय के जयघोष से गूंज उठा। साथ ही तीनों दिन श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई थी। इस आयोजन को सफल बनाने में बेस्ट के सभी पदाधिकारियों, कॉलोनी के निवासियों तथा सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश आवळे का विशेष योगदान रहा।

बेस्ट वर्कर्स यूनियन के नेता शशांक राव, सुहास सामंत तथा बेस्ट पतपेढ़ी के अध्यक्ष शिवाजी खरमाटे ने भी कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित रहकर आयोजकों का उत्साह बढ़ाया। सिद्धेश्वर सार्वजनिक संस्था महिला भजन मंडल, एस. के. सुपर मार्केट के मालिक शंकर काटे एवं संपूर्ण काटे परिवार ने विशेष सहयोग प्रदान किया। भक्ति, एकता और सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला यह भव्य वारकरी समारोह कॉलोनीवासियों की स्मृतियों में लंबे समय तक बना रहेगा।

फेडएक्स की जीजेईपीसी के साथ साझेदारी

मुंबई। दुनिया की सबसे बड़ी एक्सप्रेस ट्रांसपोर्ट कंपनी फेडरल एक्सप्रेस कॉर्पोरेशन (फेडएक्स) ने आज जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (जीजेईपीसी . GJEPC) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। यह समझौता सुरक्षित और भरोसेमंद लॉजिस्टिक्स के जरिए भारत के रत्न और आभूषण निर्यात को वैश्विक बाजारों तक बेहतर पहुंच दिलाने पर केंद्रित है। जीजेईपीसी निर्यात के प्रचार और सदस्यों को सक्षम बनाकर भारत के रत्न और आभूषण उद्योग को आगे बढ़ाने में मुख्य भूमिका निभाता है। यह क्षेत्र 7 भारत की जीडीपी में लगभग 7 प्रतिशत का योगदान देता है और कुल व्यापार निर्यात में इसका 10 से 12 प्रतिशत का योगदान है, जिससे लाखों लोगों को नौकरी मिलती है। दुनिया भर में बढ़ती मांग को देखते हुए, काउंसिल अपने सदस्यों को बेहतरीन लॉजिस्टिक्स विशेषज्ञता देने की कोशिश कर रही है। इस समझौते के माध्यम से, जीजेईपीसी ने फेडएक्स को अपने साथ जोड़ा है ताकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में शिपमेंट की बेहतर सुविधा और नियमों का पालन आसानी से हो सके।

इस बारे में, नितिन नवनीत टाटीवाला, वाइस प्रेसिडेंट-मार्केटिंग, कस्टमर एक्सपीरियंस और एयर नेटवर्क, मिडल ईस्ट, भारतीय उपमहाद्वीप और अफ्रीका, फेडएक्स ने कहा, भारतीय कारीगरी की दुनिया भर में सराहना की जाती है। निर्यात वृद्धि का अगला चरण इस बात पर निर्भर करेगा कि ये उत्पाद स्थानीय विक्रेताओं से विदेशी खरीदारों तक कितने प्रभावी ढंग से पहुंचते हैं। फेडएक्स भारतीय व्यवसायों को तेजी से और स्मार्ट तरीके से आगे बढ़ने में मदद करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। ये एमओयू दीर्घकालिक फोकस को दिखाता है। इस समझौते के तहत, फेडएक्स जीजेईपीसी सदस्यों को रत्न और आभूषण क्षेत्र की जरूरतों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय शिपिंग समाधान प्रदान करेगा।

इसमें समय पर डिलीवरी, आसान कस्टम (सीमा शुल्क) क्लीयरेंस और शिपमेंट की पूरी ट्रैकिंग शामिल है।

साथ ही, सेमिनार और वेबिनार के माध्यम से निर्यात क्षमताओं को मजबूत करने के लिए जानकारी भी साझा की जाएगी।

श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी समागम वर्ष पर नांदेड में हिंद दी चादर का भव्य आयोजन

पालघर (उत्तरशक्ति)। सिख धर्म के नवें गुरु, हिंद दी चादर के नाम से विश्वविख्यात श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी समागम वर्ष के अवसर पर महाराष्ट्र के नांदेड शहर में 24 व 25 जनवरी को एक भव्य, ऐतिहासिक और राष्ट्रीय एकता का संदेश देने वाला कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इस आयोजन के माध्यम से गुरु तेग बहादुर साहिब जी के त्याग, बलिदान और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान को देश-विदेश तक पहुंचाने का उद्देश्य रखा गया है।

इस ऐतिहासिक समागम में सिख, सिकलीगर, बंजारा, लबाना, सिंधी, मोहयाल, वाल्मीकि, भगत नामदेव और उदासीन–ऐसे कुल नौ समाज-संप्रदाय एक मंच पर एकत्र होंगे। यह आयोजन राष्ट्रीय एकता, मानवता व भाईचारे का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करेगा। अनुमान है कि इन दो दिनों में देश-विदेश से लगभग 10 लाख श्रद्धालु नांदेड में उपस्थित रहेंगे, जिससे यह शहर ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनेगा। अल्पसंख्यक विकास एवं औकाफ विभाग की राज्यमंत्री माधुरी मिसाल ने अपने वीडियो संदेश के माध्यम से श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में सहभागी होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी समागम वर्ष के उपलक्ष्य में देशभर में हिंद दी चादर कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। उनके विचार और संदेश समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें, इसी उद्देश्य से महाराष्ट्र में नांदेड, नवी मुंबई सहित विभिन्न स्थानों पर भव्य आयोजन हो रहे हैं। अन्याय के सामने झुके बिना उन्होंने राष्ट्र के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। राष्ट्र सर्वोपरि है और शांति का संदेश देना ही सभी का कर्तव्य है–उनकी यह सीख आज भी प्रासंगिक और मार्गदर्शक है। अल्पसंख्यक विकास एवं औकाफ विभाग के सचिव रुचेश जयवंशी ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी केवल सिख समाज के गुरु नहीं थे, बल्कि वे संपूर्ण मानवता के रक्षक थे। उन्होंने विभिन्न समाजों को एकजुट करने का महान कार्य किया। उनके 350वें शहीदी समागम वर्ष के अवसर पर महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्यभर में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन आयोजनों के माध्यम से गुरु तेग बहादुर साहिब जी और महाराष्ट्र के बीच के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक संबंधों को उजागर किया जायेगा। राज्य सरकार के निर्देशानुसार नांदेड, नवी मुंबई और ठाणे जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए व्यापक व सूक्ष्म स्तर पर नियोजन किया गया है। यातायात प्रबंधन, चिकित्सा सेवाएं, स्वच्छता, पेयजल तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। न्याय, मानवता और राष्ट्रीय एकता का संदेश देने वाला यह भव्य शहीदी समागम नांदेड और नवी मुंबई के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज होने जा रहा है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र में एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। यह घटना रविवार रात करीब दस बजे उमरपुर गांव शिवगुलामगंज रेलवे लाइन फाटक के पास हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक की पहचान चकमुरली/उतरीजपुर गांव निवासी 28 वर्षीय शिवकुमार उर्फ पिंटू यादव पुत्र रामफेर यादव के रूप में हुई है। उनका शव रात लगभग दस बजे रेलवे ट्रैक पर मिला। परिजनों ने बताया कि उनकी मौत ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही हो गई थी।

घटना की सूचना मिलते ही परिजन शिवगुलामगंज रेलवे लाइन फाटक घटनास्थल पर पहुंचे और शव को अपने घर ले आए। बाद में

रेलवे फाटक के गेटमैन ने घटना की जानकारी रेलवे पुलिस को दी। सूचना मिलने पर रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। बक्शा थानाध्यक्ष को घटना की सूचना मिलने पर उन्होंने भारी पुलिस बल भेजकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल जौनपुर भेज दिया।

परिजनों के अनुसार, शिवकुमार उर्फ पिंटू यादव की शादी तीन वर्ष पूर्व हुई थी। रविवार शाम को वह बाजार जाने के लिए घर से निकले थे। मृतक के चाचा रामअवतार यादव ने बताया कि उन्हें रात लगभग दस बजे घटना की जानकारी मिली। बक्शा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक कानूनी कार्यवाही पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

आग से झुलसी महिला की इलाज के दौरान मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के मातापुर मोहल्ला निवासी उर्मिला देवी (40 वर्ष), पत्नी पप्पूलाल सोनकर की आग से झुलसने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। यह हादसा 4 जनवरी 2026 (रविवार) को लगभग सुबह 10:30 बजे उस समय हुआ, जब वे अपने घर में अकेली आग जलाकर ताप रही थीं। बताया गया कि इसी दौरान अचानक आग ने उनकी साड़ी को पकड़ लिया। आग लगने का एहसास होते ही उन्होंने स्वयं आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहने पर वे जोर-जोर से चिल्लाने लगीं। शोर सुनकर परिजन और मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक वे गंभीर रूप से झुलस चुकी थीं। घायल अवस्था में उन्हें तत्काल प्राथमिक उपचार दिलाया गया और उसके बाद बेहतर इलाज के लिए लखनऊ स्थित केजीएमयू अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उपचार के दौरान 10 जनवरी को शाम लगभग उनकी मृत्यु हो गई। निवास पर शव आते ही परिवार के साथ मोहल्ले वाले भी शोकाकुल हो गए।

101 वर्ष की आयु में पूर्व ग्राम प्रधान सतई राम प्रजापति का निधन

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ग्राम भागमलपुर निवासी एवं पूर्व ग्राम प्रधान

सतई राम प्रजापति का 101 वर्ष की आयु में हृदय गति रुकने से निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। स्व. सतई राम प्रजापति का जन्म 1 जनवरी 1925 को हुआ था। वे 1988 से 1995 तक ग्राम प्रधान के पद पर कार्यरत रहे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने ग्राम विकास एवं सामाजिक समरसता के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया। क्षेत्र में उनकी लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य को लेकर लोग चर्चा किया करते थे। उनकी अंतिम इच्छा के अनुरूप परिजनों द्वारा गाजे-बाजे के साथ अंतिम यात्रा निकाली गई। इसके पश्चात पिलकिछा घाट पर पूरे विधि-विधान से उनका दाह संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे।

प्रथम खेलो इण्डिया ट्राईबल गेम्स-2026 का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्रीड़ा अधिकारी ने अवगत कराया है कि अनुसूचित जनजाति वर्ग के पुरूष/महिला खिलाड़ियों के लिए खेलो इण्डिया योजना के अन्तर्गत राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर आया है। यह पहल ग्रामीण प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से की गयी है, चयन/ट्रायल्स का आयोजन ओपन आयु वर्ग में किया जायेगा। उक्त चयन/ट्रायल्स में खिलाड़ी अपने स्वयं के व्यय पर भाग लेंगे। चयनित खिलाड़ियों को एनएसआरएस पोर्टल पर पंजीकरण 13 जनवरी, 2026 तक तीरन्दाजी, एथलेटिक्स, फुटबाल, हॉकी, तैराकी, भारोत्तोलन एवं कुश्ती में कराकर ट्रायल्स में प्रतिभाग कर सकते हैं। आवेदन एवं ट्रायल्स के लिए किसी प्रकार के शुल्क का भुगतान नहीं करना होगा। ट्रायल्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को छत्तीसगढ़ में आयोजित हो रही प्रथम खेलो इण्डिया ट्राईबल गेम्स-2026 में खेलने का सुअवसर प्राप्त होगा। प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों के पास सक्षम अधिकारी द्वारा जारी 'अनुसूचित जनजाति का प्रमाण पत्र पर निवास प्रमाण पत्र' होना अनिवार्य है। सभी खेलो का प्रदेश स्तरीय चयन/परीक्षण दिनांक 13 जनवरी, 2026 को प्रातः 10.00 बजे होगा। हॉकी, फुटबाल का प्रदेश स्तरीय चयन/परीक्षण डॉ0 सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स स्टेडियम सिगरा वाराणसी एवं तैराकी, भारोत्तोलन का चयन/परीक्षण डॉ0 भीमराव अम्बेडकर क्रीड़ा संकुल लालपुर वाराणसी तथा एथलेटिक्स, कुश्ती का चयन/परीक्षण स्पोर्ट्स स्टेडियम, जसोवर पहाड़ी, मिजार्पुर तथा तीरन्दाजी का चयन/परीक्षण स्पोर्ट्स स्टेडियम तियरां, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र में किया जायेगा।

विद्यालय में स्वामी विवेकानंद की मनाई गई 163 जयंती

जितेन्द्र कन्नौजिया

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के सिहौली गांव में स्थित स्वामी विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल में भारत के महान आध्यात्मिक गुरु और

सबसे बड़े यूथ आइकॉन स्वामी विवेकानंद की 163 जयंती मनाई गई। विवेकानंद का जन्म कोलकाता के कुली बंगाली परिवार में हुआ था। विवेकानंद आध्यात्म की और झुके हुए थे। वे अपने गुरु रामकृष्ण देव से काफी प्रभावित थे। रामकृष्ण देव की मृत्यु के बाद विवेकानंद ने बड़े पैमाने पर भारतीय उपमहाद्वीप की यात्रा की और ब्रिटिश भारत में तत्कालीन स्थितियों का प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त किया। बाद में उन्होंने विश्व धर्म संसद 1893 में भारत का प्रतिनिधित्व करने संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए प्रस्थान किया। विवेकानंद ने संयुक्त राज्य अमेरिका, इंग्लैंड और यूरोप में हिंदू दर्शन के सिद्धांतों का प्रसार प्रचार किया। भारत में विवेकानंद को एक देशभक्त सन्यासी के रूप में माना जाता है, और उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विद्यालय में प्रधानाचार्य अमित प्रताप यादव (पत्रकार) स्वामी जी की छवि पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया तथा इस कार्यक्रम में (उप प्रधानाचार्य) राममिलन यादव, सउद अंसारी, सलवा खान , पूनम सिंह,पूनम यादव, जन्नत अंसारी, मालती यादव, सीमा कुमारी, सुनंदा निषाद एवं आदि लोग उपस्थित रहे।

शाहगंज में हुई मुठभेड़ में एक बदमाश घायल, एक गिरफ्तार, इनामी अपराधी फरार

पिकअप से 4 गोवंश जीवित व 2 मृत बरामद, अवैध असलहा जब्त

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज थाना क्षेत्र चिरैया मोड़ के पास पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर सोमवार को पुलिस चेकिंग के दौरान एसओजी टीम व शाहगंज पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में एक बदमाश को गोली लगी, जबकि दूसरे को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं, एक पुरस्कार घोषित अपराधी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार मुठभेड़ में इस्तेखार पुत्र मुस्ताक निवासी माहुल, थाना अहरौला, जनपद आजमगढ़ (उम्र लगभग 35 वर्ष) के दाहिने कंधे में गोली लगी। उसे तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। मौके से जयसिंह पुत्र गुड्डू लोना निवासी निजामपुर, थाना अहरौला, जनपद आजमगढ़ (उम्र लगभग 28 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों के पास से अवैध असलहा व कारतूस बरामद किए

गए। इसी दौरान पुरस्कार घोषित अपराधी विशाल यादव पुत्र अनिल यादव, निवासी आजमगढ़, अंधेरे का लाभ उठाकर फरार होने में सफल रहा, जिसकी तलाश में पुलिस टीमों द्वारा सघन कांबिंग की जा रही है। पुलिस ने बदमाशों की पिकअप वाहन की तलाशी के दौरान 04 गोवंश जीवित तथा 02 गोवंश मृत अवस्था में बरामद किए। वाहन को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान ने बताया कि ह्वचेकिंग के दौरान बदमाशों द्वारा पुलिस पर फायरिंग की गई, आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश घायल हुआ है, एक को गिरफ्तार किया गया है। मौके से अवैध असलहा तथा गोवंश की बरामदगी हुई है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगाई गई हैं और मामले में विधिक कार्रवाई जारी है।

बोर्ड परीक्षा में प्रदेश स्तर पर स्थान पाने वाले छात्रों का होगा सम्मान: अजीत प्रजापति

मिर्जा अनवर बेग इंटर कॉलेज में नवागत जिलाध्यक्ष का भव्य स्वागत

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के मिर्जा अनवर बेग इंटर कॉलेज उसरहटा में

सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के नवागत जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति का भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय परिसर में उन्हें फूल-मालाओं व अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि बोर्ड परीक्षा में प्रदेश स्तर पर स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को जिला मुख्यालय पर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही आगे की पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उन्हें हर संभव सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता देकर प्रोत्साहित किया जाएगा।

आगामी बोर्ड परीक्षाओं को लेकर छात्रों से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि बिना किसी भय के पूरी मेहनत और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दें तथा अपनी सफलता से जिले का नाम रोशन करें। साथ ही अच्छे नागरिक बनकर देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम से पूर्व छात्रों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया गया। समारोह की अध्यक्षता कॉलेज प्रबंधक मिर्जा अजफर बेग ने की, जबकि संचालन प्रवक्ता अतहर खान ने किया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. एन.पी. उपाध्याय, प्रशांत श्रीवास्तव, प्रभात पाठक, आमिर सिद्दीकी, विमलेश त्रिपाठी, सैय्यद वासपी, संचय सिंह, अबुसमा और हस्सन अहमद सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य नौशाद अहमद ने आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बड़े सपने देखना ही नहीं, उन्हें साकार करने का साहस भी जरूरी: कुलपति प्रो.वंदना सिंह

राष्ट्रीय युवा दिवस पर विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में गोष्ठी आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी में कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ उन्होंने परिसर में स्थापित स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि केवल सपने देखने से लक्ष्य प्राप्त नहीं होता, बल्कि इसके लिए निरंतर परिश्रम, आत्मअनुशासन और दृढ़ संकल्प आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का संदेश 'बड़े सपने देखिए और उन्हें पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहिए' आज के युवाओं के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत है। युवाओं को अपने नैतिक कर्तव्यों को समझते हुए समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार बनने की आवश्यकता है।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की विचारधारा राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया और कहा कि स्वामी विवेकानंद के अनुयायी आज विश्वभर में फैले हुए हैं।

विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय के मानद पुस्तकालयाध्यक्ष प्रोफेसर राजकुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के लिए ऊर्जा, आत्मविश्वास और राष्ट्रचेतना के प्रतीक हैं।कार्यक्रम का संचालन उद्देश्य सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन जनसंचार विभाग के डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने किया।

इस अवसर पर प्रो. अजय द्विवेदी, डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. रसिकेश, डॉ. नृपेंद्र सिंह, प्रो. नरेंद्र, डॉ. मंगला प्रसाद यादव, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. प्रशांत, डॉ. प्रवीण, सुशील प्रजापति, आदित्य कुमार सहित अनेक शिक्षकगण एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जमदहां में एक हजार असहायों को बांटे गए कंबल, कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे खिले

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ठंड के मौसम में असहाय और जरूरतमंद लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से क्षेत्र के जमदहां गांव में सोमवार को कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान लगभग एक हजार असहाय, वृद्ध, महिलाएं व गरीब परिवारों को कंबल वितरित किए गए। कंबल पाकर लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी और संतोष साफ दिखाई दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सोंधी अजय कुमार सिंह,तथा विशिष्ट अतिथि खंड विकास अधिकारी पीयूष त्रिपाठी रहे। अतिथियों ने स्वयं लाभार्थियों को कंबल वितरित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आयोजन स्थल पर सुबह से ही बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोग जुटे रहे, जिन्हें व्यवस्थित और क्रमबद्ध ढंग से कंबल दिए गए। इस मौके पर मुख्य अतिथि प्रमुख प्रतिनिधि अजय कुमार सिंह ने कहा कि ठंड के मौसम

में असहाय व गरीब वर्ग को राहत पहुंचाना हम सभी की सामाजिक जिम्मेदारी है। शासन की मंशा के अनुरूप पात्र व्यक्तियों तक सहायता पहुंचाई जा रही है। आगे भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम लगातार जारी रहेंगे, ताकि कोई भी जरूरतमंद ठंड से परेशान न हो। विशिष्ट अतिथि खंड विकास अधिकारी पीयूष त्रिपाठी ने कहा कि प्रशासन का प्रयास है कि सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्रों तक पहुंचे। कंबल वितरण जैसी योजनाएं ठंड से बचाव के साथ मानवीय संवेदनाओं को भी मजबूत करती हैं। इस कार्य में जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों के सहयोग से कार्यक्रम को सफल बनाया जा रहा है। कंबल पाकर लाभार्थियों ने शासन-प्रशासन के प्रति आभार जताया। बुजुर्गों और महिलाओं ने कहा कि ठंड के मौसम में कंबल मिलना उनके लिए बड़ी राहत है। इस अवसर पर सचिव संजय यादव, राजेन्द्र कुमार, अशोक यादव, डा.शकील, पंजज शर्मा, हैदरअली, कमाल आजमी, राम सेवक, कन्हैया लाल, राम कुमार आदि लोग शामिल रहे।

उपजिलाधिकारी से मिल कर कार्यवाही की मांग, पांच एकड़ गेहूं की फसल डूबने से हुई बर्बाद

किसान विशाल सिंह अपनें फसल बबार्दी को लेकर हुये चिंतित

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र के ग्राम डेढ़वाना गांव के डिहवा (पुरवा) निवासी विशाल सिंह के खेत जो नहर का पानी की ओवर फ्लो से लगभग 5 एकड़ खड़ी सरसों व गेहूं की फसल बर्बाद हो गयी है। नहर का पानी रोकनें के लिये किसान विशाल सिंह नें केराकत के उपजिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार से मिलकर एक लिखित प्रार्थना पत्र देते हुवे मदद की गुहार लगाई है। दिये गये शिकायती प्रार्थना पत्र के जरिये उपजिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार से किसान विशाल सिंह नें कहा कि हम

दिये गये शिकायती प्रार्थना पत्र के जरिये सरकारी मुआवजे की मांग

प्रार्थी के खेत जो नहर के पास है जिससे अत्यधिक पानी होनें के कारण 5 एकड़ गेहूं की फसल डूबकर खराब हो गयी है। न्याय हित में उक्त विषय को अपनें संज्ञान में लेकर विभागीय कार्यवाही करते हुवे उक्त पानी को बन्द कराया जाना अतिआवश्यक है। तथा मुझे सरकारी लाभ फसल (नुकसान) को दिलवानें की मांग की है। इनके बातों को ध्यान में रखते हुवे उपजिलाधिकारी नें मिले शिकायती प्रार्थना पत्र पर कृपया जांच कर नियमा अनुसार कार्यवाही करनें का आदेश दिया है। फसल डूबकर नुकसान होने से किसान बहुत ही टेंशन में हैं अब देखना यह है कि अबतक सरकारी मुआवजा मिलता है या नही।

भक्ति भाव से सराबोर भक्ति पर्व समागम का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भक्ति केवल शब्द नहीं जीवन जीने की सजग यात्रा है। उक्त उद्गार भक्ति पर्व दिवस के अवसर पर मड़ियाहूं पड़ाव स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन के प्रांगण में निरंकारी सतगुरु सुदीक्षा महाराज के पावन संदेशों को बताते हुए श्याम लाल साहू (संयोजक) ने व्यक्त किया। इस अवसर पर संत संतोख सिंह सहित अन्य संत महापुरुषों के तप, त्याग एवं उनके ब्रह्मज्ञान के प्रचार-प्रसार में दिए गए अमूल्य योगदान का भावपूर्ण स्मरण किया गया। श्रद्धालुओं ने उनके जीवन से प्रेरणा लेकर भक्ति, सेवा एवं समर्पण के मूल्यों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। समागम के दौरान अनेक वक्ताओं, कवियों एवं गीतकारों ने अपनी-अपनी विधाओं के माध्यम से गुरु

भक्ति केवल शब्द नहीं जीवन जीने की सजग यात्रा है: निरंकारी सतगुरु सुदीक्षा महाराज

महिमा, भक्ति भाव और मानव कल्याण के संदेशों को अत्यंत भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया।

संतों की प्रेरणादायक शिक्षाओं ने उपस्थित श्रद्धालुओं के हृदय को छूते हुए उनके जीवन को आध्यात्मिक दृष्टि से समृद्ध किया। भक्ति की महिमा पर प्रकाश डालते हुए सतगुरु माता ने कहा कि भक्ति कोई नाम या दिखावा नहीं, बल्कि अपने भीतर की सजग यात्रा है। सच्ची भक्ति तब है जब हम आत्म मंथन द्वारा दूसरों से पहले स्वयं को जाँचें, अपनी कमियों को सुधारें और हर पल जागरूक जीवन जिएँ। अज्ञान में हुई गलती सुधर सकती है, पर जानबूझकर चोट पहुँचाना, बहाने या चालाक शब्द भक्ति नहीं हैं, क्योंकि भक्त का स्वभाव मरहम का होता है। हर एक में निराकार देखकर सरल, निष्कपट व्यवहार करना और ब्रह्मज्ञान के बाद सेवा, सुमिरन व सत्संग से इस एहसास को बनाए रखना ही भक्ति है।

राष्ट्रहित में हिन्दू समाज का संगठित होना अनिवार्य: महामण्डलेश्वर महेश योगी

जौनपुर के गोकुट घाट पर हुआ विराट हिन्दू सम्मेलन, जुटीं तमाम हस्तियां

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य पर जनपद में हिन्दू समाज की एकता, सामाजिक समरसता एवं सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विराट हिन्दू सम्मेलन का भव्य आयोजन गोकुल घाट, पुरानी बाजार में किया गया।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि श्री श्री 1008 श्री महंत महामण्डलेश्वर डॉ. महेश दास (स्वामी महेश योगी) ने अपने प्रेरक उद्बोधन में हिन्दू समाज को संगठित रहने, सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा करने तथा राष्ट्रहित में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया। साथ ही कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सांस्कृतिक चेतना का जागरण, सामाजिक एकता का विस्तार एवं सनातन परंपराओं के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है।

इसी क्रम में कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बांके लाल यादव (क्षेत्र गौ सेवा प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूर्वी उत्तर प्रदेश) ने कहा कि हिन्दू समाज को जातिगत भेदभाव से मुक्त करके सामाजिक सद्भाव की धारणा विकसित करना ही संघ का ध्येय है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोरमा मौर्य अध्यक्ष नगर पालिका परिषद ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में सरदार मनमोहन सिंह अध्यक्ष राष्ट्रीय सिख संगत जौनपुर, डॉ. प्रकाश

चन्द्र राव प्रभारी अधिकारी स्वास्थ्य विभाग एवं कलावती देवी पूर्वांचल विश्वविद्यालय की उपस्थिति रही। आयोजन समिति के अनुसार यह सम्मेलन हिन्दू समाज को एक मंच पर लाकर आपसी भाईचारे, समरसता और सांस्कृतिक एकजुटता को और अधिक सशक्त करेगा। कार्यक्रम में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की जायेगी। सम्मेलन का समापन वंदेमातरम् एवं भारत माता की आरती से हुआ। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक नारायण चौरसिया ने किया। अन्त में कार्यक्रम संयोजक अनिल गुप्ता (जिलाध्यक्ष सेवा भारती) ने समस्त आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

व्यवस्थापक की भूमिका में आनन्द मिश्रा (बस्ती प्रमुख पुरानी बाजार) एवं डॉ. मनीष गुप्ता सह संयोजक, सुभाष चौरसिया (लल्ला), गीता चौरसिया एवं रंगीले निषाद का सक्रिय सहयोग रहा। आयोजन मण्डल में उमेश चन्द्र गुप्ता, सुरेश चन्द्र गुप्ता, मोती लाल यादव, अखिलेश श्रीवास्तव, महेन्द्र यादव, हिमांशु यादव, अक्षत मिश्रा, विनय श्रीवास्तव, कपिल चतुर्वेदी, चन्दन, शनि, गुड्डू साहू सहित तमाम गणमान्य लोग एवं मातृ शक्तियां उपस्थित रहीं।

वॉर्ड नंबर 24 में महायुति का भव्य जनसंपर्क अभियान, स्नेहा दुबे पंडित रही उपस्थिति

वसई। वसईझविरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन आम चुनाव 2025-2026 के मद्देनजर भाजपा-शिवसेना-श्रमजीवी संगठन-अग्री सेना महायुति द्वारा वॉर्ड नंबर 24 में एक सुनियोजित और व्यापक जनसंपर्क अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का नेतृत्व स्नेहा दुबे पंडित की उपस्थिति में किया गया। महायुति के अधिकृत उम्मीदवारों में (ए) पाटिल अतुल अविनाश, (बी) श्रीमती दीकोष्टा स्मिता रॉबर्ट, (सी) श्रीमती गोवारी भावना भावेश तथा (डी) तावड़े सिद्धेश रमेश शामिल हैं। जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत किंग्स्टन टावर अग्रवाल, राजहंस क्षितिज, मथुरा कॉम्प्लेक्स और 100 फीट रोड क्षेत्र में घर-घर जाकर नागरिकों से संवाद किया गया। इस दौरान महायुति की विकासोन्मुख नीतियों, बुनियादी सुविधाओं, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, स्वच्छता, सुरक्षा और पारदर्शी प्रशासन जैसे मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई। इस अवसर पर महायुति के सभी उम्मीदवार, पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। नागरिकों ने महायुति के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए सभी उम्मीदवारों को पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया।

शिक्षा से ही होगा समाज का सर्वांगीण विकास : नीरज तिवारी

0-मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज प्रयागराज के प्रो. डॉ. एके वर्मा के निवास गैरवाह (शाहापुर) में सह खिचड़ी भोज का आयोजन
0-सांस्कृतिक कार्यक्रम, निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, प्रतिभा सम्मान समारोह भी हुआ आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुइथाकला विकासखंड क्षेत्र अंतर्गत गैरवाह (शाहापुर) गांव निवासी एवं मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज प्रयागराज अस्थि रोग विभाग के प्रो. डॉ. एके वर्मा के निजी निवास पर रविवार की देर शाम तक सह खिचड़ी भोज कार्यक्रम चलता रहा । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उच्च न्यायालय प्रयागराज के न्यायमूर्ति नीरज तिवारी रहे। समारोह को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति ने कहा कि सह खिचड़ी भोज कार्यक्रम सामाजिक एकता का प्रतीक है। ऐसे कार्यक्रम के आयोजन से सामाजिक समरसता की भावना उत्पन्न होती है। ऐसे कार्यक्रम समाज के हर तबके के लोगों को एकता के सूत्र में पिरोने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा मानव का दिव्य गुण है। परोपकार मनुष्य के जीवन का अभिन्न अंग है इसे सभी लोगों को अपने जीवन में धारण करना चाहिए। उन्होंने बेटों की शिक्षा के साथ-साथ बेटियों की शिक्षा पर जोर दिया। कहा कि शिक्षित होकर ही हम समाज और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में अपना योगदान दे सकते हैं।विशिष्ट अतिथि उच्च न्यायालय के मुख्य स्थायी अधिवक्ता डॉ. राजेश्वर त्रिपाठी ने कार्यक्रम के आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रतिभा सम्मान समारोह के आयोजन से हमारी युवा पीढ़ी प्रोत्साहित होकर उन्नति दिशा की तरफ अग्रसर होगी। इससे युवाओं का उत्साहवर्धन होगा। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन को छात्र-छात्राओं और मेधावियों को आगे बढ़ने का एक अनूठा मंच बताया। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य प्रो. डॉ एसपी सिंह व चर्म रोग विभाग के प्रो. डॉ. सूर्यकांत ओझा, डॉ. नैय्यरे आजम एवं वरिष्ठ पत्रकार हनुमंत सिंह ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, प्रतिभा सम्मान समारोह भी आयोजित हुआ। अतिथियों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के मुख्य आयोजक प्रो. डॉ. एके वर्मा और उनके बड़े भाई राजस्व निरीक्षक विजय कुमार वर्मा ने व्यक्त किया। आभार कार्यक्रम संयोजक जय नाथ वर्मा ने प्रकट किया। अध्यक्षता चंद्रभान वर्मा और संचालन रामानंद निषाद ने किया। मौके पर मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज फामेर्सी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मान सिंह, नायब तहसीलदार पीयूष कुमार सिंह, सीओ अजीत सिंह चौहान, सदस्य जिला पंचायत रविंद्र नाथ बिंद, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष (एकजुट) विनय कुमार वर्मा, सदस्य जिला पंचायत प्रतिनिधि बुधिराम व शशि, प्रदीप वर्मा, लालजी वर्मा, अस्मित वर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नालासोपारा ईस्ट और विरार वेस्ट से कार्यकताओं का भाजपा में प्रवेश

वसई रोड। वसई-विरार क्षेत्र की राजनीति में आज एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम देखने को मिला। नालासोपारा ईस्ट और विरार वेस्ट इलाके की विभिन्न राजनीतिक पार्टियों से जुड़े पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने भारतीय जनता पार्टी में आधिकारिक रूप से प्रवेश किया। यह प्रवेश कार्यक्रम राजन नाइक की उपस्थिति में संपन्न हुआ। विकास, स्थिर नेतृत्व और मजबूत संगठनात्मक ढांचे में विश्वास जताते हुए सभी नए सदस्यों ने भाजपा की विचारधारा को अपनाने का निर्णय लिया। पार्टी नेतृत्व की ओर से सभी नए साथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर यह संदेश दिया गया कि सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर वसई-विरार क्षेत्र के समग्र विकास के लिए नई ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे।

राजा बने रघुरैया अवध आज बाजे बधइयां-पूज्य राजन महाराज

लालशेखरसिंह

मुम्बई (उत्तर शक्ति)। गोरेगाँव पश्चिम स्थित बांगुर नगर के लक्ष्मी सरस्वती ग्राउंड पर चंद्रकांत गुप्ता एवं चमेली देवी गुप्ता के पावन संकल्प से प्रेममूर्ति पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के कृपापात्र पूज्य राजन महाराज के व्यासत्व में रामकथा सेवा समिति मुम्बई द्वारा आयोजित नौ दिवसीय रामकथा महोत्सव में पूज्य राजन महाराज की रामकथा सुंदरकाण्ड में प्रवेश करती है।प्रभु राम की कृपा से हनुमानजी महाराज लंका में सीता जी का पता लगाने जाते हैं। विभीषण मित्रता और सीताजी के अन्वेषण कार्य को पूर्ण करने के पश्चात अशोक वाटिका का उजाड़, अक्षय कुमार का वध और लंका दहन करके हनुमानजी प्रभु चरणों में लौटते हैं। पूज्य राजन महाराज ने कथा के भाव पक्ष को आलोकित करते हुए कहा कि भगवत कृपा प्रप्ति के लिए झूठ बोलने में भी कोई पाप नहीं लगता। प्रभु से हमेशा प्रार्थना करें कि भगवान हमको कभी न छोड़े। काम करने वाला काम करता है और कुछ ना करने वाला फोटो खिंचवाता है।धरती के हर कोने में भगवान के भक्त मिल ही जायेंगे लेकिन शर्त ये है कि पहले स्वयं भक्त बनिये। भक्ति एक ऐसा चुम्बक है जिसमे भक्त स्वयं चिपके चले जाते हैं।बचपन में ऋषि के शाप से शापित नल नील जब सेतु बंधन जैसे रामकार्य मे लग गये तो वह शाप भी वरदान बन गया।

लंकाकाण्ड का वर्णन करते हुए पूज्य राजन महाराज ने कहा कि रावण अपने घर परिवार सहित किसी की बात न मानकर युद्ध को अवश्यम्भावी बना दिया। राम जी सेना सहित लंका पर धावा बोलते हैं, भगवान सपरिवार रावण को गति प्रदान करते हैं। भगवान की आज्ञा से इंद्र युद्ध में मरे वानरों को अमृतवर्षा कर-के जीवित कर देते हैं।लंका विजय और विभीषण को राजसत्ता देकर प्रभु सीतामैया, लक्ष्मण जी सहित पुष्पक विमान से अयोध्या वापस लौटे। प्रभु के अयोध्या आगमन की पूर्व सूचना हनुमानजी अयोध्या पहुँच कर दे चुके थे। भगवान राम के आगमन पर सजी अयोध्या में गुरु वशिष्ट की आज्ञा से राम राज्याभिषेक सम्पन्न हुआ। कथा प्रसंगों के बीच मोरी छोड़ो न बहियां सियाजी के सैंया,भगवन हँसे ल हंसावेला कवन गुनवा से.,राजा बने रघुरैया अवध आज बाजे बधइयां..जैसे भजनों को सुनाकर भावविभोर कर दिया। श्रोताओं की अपार भीड़ के बीच सद्गुरु फाउंडेशन के चेयरमेन गणेश अग्रवाल, रामजानकी ट्रस्ट के प्रमुख दिनेश तिवारी,निशा शर्मा, अशोका तिवारी, रेखा गुप्ता,सरिता चौबे,विनय चौबे आदि लोगों ने भी कथा श्रवण का लाभ प्राप्त किया।

खारघर में स्नेह मिलन व कवि सम्मेलन सम्पन्न

नवी मुंबई (उत्तरशक्ति)। हिंदी भाषी विकास महासंघ व पूर्वांचल ग्लोबल फाउंडेशन की तरफ से खारघर नवी मुंबई स्थित श्री राघवेन्द्र स्वामी मठ में एक भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। हास्य कवि सुरेश, लाफ्टर चैंपियन फेम सुनील सावरा, योगेश मिश्र व सूरज त्रिपाठी ने अपनी हास्य व्यंग कविताओं से श्रोताओं को लोटपोट कर दिया। सुरेश मिश्र ने हंसाते -हंसाते बेटी के नाम खत कविता पढ़कर श्रोताओं की आंखों को नम कर दिया। प्रतापगढ़ के पूर्व सांसद व उद्योगपति कुंवर हरिवंश सिंह, जौनपुर बदलापुर के विधायक रमेश मिश्र, प्रशांत ठाकुर, समाजसेवा विश्वनाथ दूबे ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संस्था प्रमुख हेमंत सिंह, अमरीश सिंह और प्रमोद सिंह ने अतिथियों का सम्मान किया। सम्मान कार्यक्रम का संचालन वीरेंद्र तिवारी ने किया। सभी वक्ताओं ने अपने वक्तव्य में उत्तर भारतीयों की एकजुटता पर बल दिया। कवि सम्मेलन का संचालन योगेश मिश्रा ने किया।

इंदौर स्थित विश्वकर्मा नगर में रंगारंग व सहभोज कार्यक्रम का आयोजन संपन्न

प्रणीत एन तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति) मध्य प्रदेश इंदौर विश्वकर्मा नगर में हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति माता मंदिर बस्ती द्वारा समाज में मिलन सारिता और स्वाभिमान को सार्थक करने हेतु हिंदू सम्मेलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। हिंदू सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य अपनी पवित्र मातृभूमि को पुनः विश्व गुरु बनाने हेतु सभी हिंदुओं को मजबूत बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया ।इसके लिए सभी की भागीदारी और सहयोग आवश्यक है जाति वर्ग क्षेत्र आदि सभी मतभेद बुलाकर एक साथ आने के लिए प्रेरित किया गया यह आयोजन दिनांक 11 जनवरी 2026 दिन रविवार को समय प्रातः 11 से 2:00 बजे स्थान विश्वैश्वर महादेव उद्यान विश्वकर्मा नगर इंदौर में आयोजित किया गया है। जिसमें बच्चों द्वारा नृत्य कला का रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जिसमें निष्ठा मिश्रा , लड्डू, वंश , सार्थक, परी सहित कई बच्चों ने भाग लिया और नृत्य करते हुए सभी का मन मोह लिए लोगों ने तालियों से बच्चों का हौसला बुलंद किया। तत्पश्चात प्रीतिभोज का भी आयोजन किया गया था। हिदू सम्मेलन आयोजन समिति के संयोजक प्रवीणजी तिवारी, पूनम चंद चौधरी , सचिन गुप्ता, अज्ञेय यादव , सुदामा नगर से अनिल सेन सहित कई गणमान्य लोगों का सहयोग रहा है इसका मुख्य उद्देश्य हिंदुओं को एकता अखंडता बनाए रखने, और भारत को विश्व गुरु बनाने हेतु रखा गया था। हिंदूओं की चेतना की अलख जगाने का कार्य किया गया।

इन्फिनिटी लर्न ने लॉन्च किया इन्फिनिटी वन

पटना। भारत के प्रमुख डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म्स में से एक और श्री चैतन्य एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस की एक पहल, इन्फिनिटी लर्न ने 'इन्फिनिटी वन' लॉन्च करने की घोषणा की। यह सीबीएसई, फाउंडेशन, जेईई और नीट की तैयारी करने वाले कक्षा 4 से 12 तक के छात्रों के लिए एक प्रीमियम पर्सनलाइज्ड वन-ऑन-वन ऑनलाइन ट्यूटरिंग प्रोग्राम है। इस प्रोग्राम के तहत छात्रों को समर्पित शिक्षक, डायग्नोस्टिक असेसमेंट के आधार पर कस्टम एकेडमिक प्लान, निरंतर मूल्यांकन, चौबीसों घंटे, सातों दिन डाउट सॉल्यूशन और वेलबीइंग सपोर्ट मिलेगा। इन्फिनिटी वन का उद्देश्य सिलेबस पूरा करने के बजाय छात्रों की सीखने की कठिनाइयों को समझकर उन्हें दूर करना है। श्री चैतन्य एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस की सीईओ सुश्री सुषमा बोपना ने कहा कि यह पहल छात्रों को उनकी व्यक्तिगत जरूरतों के अनुरूप अकादमिक और मेंटरशिप सपोर्ट प्रदान करेगी।

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रो. दिलीप मेहरा मुख्य अतिथि के रूप में सम्मानित

-डॉ दयानंद तिवारी

कर्नाटक (उत्तरशक्ति)। हिन्दी विभाग, श्री धर्मस्थल मंजुनाथेश्वर स्वायत्त महाविद्यालय, उजिरे, कर्नाटक द्वारा 9 जनवार 2026 को वर्तमान समय में भक्तिकालीन हिंदी साहित्य की प्रासंगिकता विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उदघाटन श्री धर्मस्थल मंजुनाथेश्वर स्वायत्त महाविद्यालय के अकादमिक समन्वयक प्रो. शशिशेखर एन. काकत्कर जी द्वारा किया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में हिन्दी विभाग, सरदार पटेल विश्वविद्यालय के आचार्य एवं अध्यक्ष प्रो. दिलीप मेहरा ने मुख्य अतिथि के रूप में अपना विशिष्ट वक्तव्य दिया। प्रथम सत्र श्री धर्मस्थल मंजुनाथेश्वर स्वायत्त महाविद्यालय, उजिरे के प्राचार्य प्रो. विश्वनाथ पी. जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस सत्र में बीजवक्ता के रूप में पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. सी. जय शंकर बाबु ने अपना वक्तव्य दिया । साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा और शोध संस्थान, द. भा. हिंदी प्रचार सभा, चेन्नई के निदेशक / परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुभाष जी. राणे ने भी अपनी बात रखी। संगोष्ठी में विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के विद्वानों ने वर्तमान समय में भक्तिकालीन हिंदी साहित्य की प्रासंगिकता विषय पर अपने वक्तव्य दिए। इन विद्वत्तजनों में केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. तारु एस. पवार, शिक्षा महाविद्यालय, बार्शी सोलापुर, महाराष्ट्र के आचार्य डॉ. रविराज फुरडे, आल्वास स्वायत्त महाविद्यालय. मूडबिद्रि के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुपरस्टाराय हेगड़े, सरकारी प्रथम श्रेणी महाविद्यालय, सुत्य के हिंदी विभाग के अध्यक्ष रामकृष्ण के. एस., अक्कमहादेवी महिला विश्वविद्यालय, विजयपुर हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. नामदेव गौड़ा, श्रीलंकाई मित्रालय, पुद्दुरु, हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. दुर्गारत्ना सी. जी, स्ट्राटकोर्ड केंद्र, डी. भा. हिंदी प्रचार सभा, धारवाड़ के हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. राजकुमार नाईक, सहायक उपकरण, शैक्षणिक कॉलेज, सिंहगढ़ कैंपस, सोलापुर, महाराष्ट्र के प्रा. रफीक एन. नदाफ, श्री धर्मस्थल मंजुनाथेश्वर स्वायत्त महाविद्यालय, उजिरे के कुलसचिव प्रो. श्रीधर एन. भट्ट, एस जे. वी. पी. महाविद्यालय, हरिहर के सह प्राध्यापक डॉ. रमेश क. पर्वती, सेंट फिलोमेना कॉलेज मैसूरु की विभागाध्यक्षा डॉ. पूर्णिमा उमेश, श्री धर्मस्थल मंजुनाथेश्वर स्वायत्त महाविद्यालय, उजिरे, कला संकाय के अधिष्ठाता डॉ. भास्कर हेगडे जी तथा डॉ. शालिनी, डॉ. शोभना की गतिमामयी उपस्थिति रही। इस एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक डॉ. मल्लिकार्जुन एन. एवं प्रधान संयोजक प्रो. विश्वनाथ पी. जी ने प्रो. दिलीप मेहरा को मुख्य अतिथि के रूप में सम्मानित भी किया एवं इनकी गरिमामयी उपस्थिति को सराहा । प्रो. मेहरा ने भी विभिन्न विश्वविद्यालयों से पधारे विद्वत्तजनों से सत्संग के अवसर को लाभकारी बताते हुए आयोजक मंडल का आभार प्रकट किया ।

शिवशक्ति अर्धनारीश्वर महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

-प्रेम चंद मिश्रा

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। विश्व हिंदू महासंघ अंतर्गत हिंदू युवा वाहिनी (महाराष्ट्र) एवं संकल्प प्रतिष्ठान मित्र मंडल द्वारा दिनांक 14 जनवरी 2026 से 20 जनवरी 2026 तक शिवशक्ति अर्धनारीश्वर मानव कल्याण महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा का भव्य कार्यक्रम नवनीत हॉस्पिटल के पास दुर्गा चौधरी ग्राउंड अचोले तालाब, नालासोपारा पूर्व में आयोजित किया गया है। इस महायज्ञ निमित्त यज्ञशाला का निर्माण करने हेतु मुजफ्फरपुर बिहार से सम्मानपूर्वक राजमिस्त्रियों को आमंत्रित किया गया है। दिनांक 13 जनवरी 2026 को प्रातः मंडप प्रवेश एवं देवताओं का आवाहन तथा अरणी मंथन से अग्नि को प्रकट करके महायज्ञ को शुभारंभ किया जाएगा। 20 जनवरी 2026 तक सुबह 8:00 बजे से दोपहर 1:00 तक महायज्ञ शुरू रहेगा। शाम 4:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा होगी। परोपकाराय इदम शरीरं इस कार्यक्रम का आयोजन विशुद्ध रूप से मानव कल्याण एवं जगत के सचराचर प्राणियों के कल्याण हेतु किया गया है। मनुष्य चाहे किसी भी धर्म, पंथ, संप्रदाय, समुदाय का हो, जो अपने या परिवार का कल्याण चाहता है, वह इस मानव कल्याण यज्ञ में शामिल हो सकता है। वह परिक्रमा कर सकता है। हवन कर सकता है या दूर से प्रणाम कर सकता है। हर स्थिति में उनका कल्याण निश्चित है। सभी को अपने परिवार एवं मित्रों के साथ शिवशक्ति अर्धनारीश्वर मानव कल्याण महायज्ञ और संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा में सादर आमंत्रित है। व्यास पीठ से विश्व की दूसरी किन्नर कथा वाचक, महामंडलेश्वर हेमलता शरण सखी, सखी अखाड़ा, श्री भगवान परशुराम अखाड़ा से हैं। नालासोपारा में पहली बार किन्नर महामंडलेश्वर द्वारा श्रीमद् भागवत कथा पर प्रवचन प्रस्तुत होने जा रहा है। 20 जनवरी 2026 को महाप्रसाद एवं भंडारा आयोजित किया गया है। जिसमें सभी लोग सह परिवार सादर आमंत्रित है। इस कार्यक्रम का आयोजक डॉक्टर ओमप्रकाश नरसिंह दुबे हैं। आपके मार्गदर्शन में कार्यक्रम को आयोजित किया गया है एवं संयोजक अमित ओमप्रकाश दुबे हैं।

कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी भाजपा में शामिल

वसई-विरार। वसई-विरार जिला कांग्रेस पार्टी के जनरल सेक्रेटरी बालकृष्ण प्रकाश ब्राह्मणे (नायडू) ने आज आधिकारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। यह प्रवेश भाजपा नेता राजन नाईक की उपस्थिति में संपन्न हुआ। भाजपा में शामिल होने के बाद बालकृष्ण ब्राह्मणे ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए विकास की विचारधारा से जुड़ने का निर्णय लिया है। उनका मानना है कि भाजपा ही देश और राज्य को प्रगति की दिशा में आगे ले जा सकती है। इस अवसर पर भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि यह प्रवेश वसई-विरार में भाजपा की लगातार बढ़ती ताकत और जनता के विश्वास का स्पष्ट प्रमाण है। पार्टी नेतृत्व का विश्वास है कि बालकृष्ण ब्राह्मणे के आने से संगठन और अधिक मजबूत होगा। भाजपा नेताओं ने दोहराया कि भाजपा का अर्थ है– विकास, भरोसा और भविष्य, और आने वाले समय

में पार्टी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी।

पचूबंदर, वसई गांव में मंत्री नितेश राणे की चुनावी सभा, महायुति को मिला जनसमर्थन

वसई रोड। पचूबंदर, वसई गांव (वसई पश्चिम) में महायुति की ओर से आयोजित एक भव्य चुनावी सभा को महाराष्ट्र राज्य के मत्स्य एवं बंदरगाह विकास मंत्री तथा कट्टर हिंदुत्व नेता नितेश राणे ने संबोधित किया। यह सभा कृषि सेना और वसई पश्चिम संगठन के तत्वावधान में बड़े उत्साह और भारी जनसमूह की उपस्थिति में संपन्न हुई। सभा में वार्ड क्रमांक 25 (क) की आधिकारिक उम्मीदवार श्रीमती अर्चना मंगल पवार, अमोल भरत म्हात्रे, सीमा ब्रिस्टन कारवालो और प्रीतम प्रभाकर पाटिल उपस्थित रहे। वहीं वार्ड क्रमांक 28 (क) से नितिन जगन्नाथ ठाकुर, श्रीमती सुचिता शिवन्ना शेट्टी, श्रीमती जेनी एस. एंडराडिस तथा वार्ड क्रमांक 29 (अ) से निलेश निशिकांत भानुशे, सुश्री दीपा सुरेश चावंडे, श्रीमती शिल्पा किरण पाटिल और यशोधन नितिन ठाकुर के चुनावी अभियानों को नागरिकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। इस अवसर पर वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित, पूर्व जिलाध्यक्ष महेंद्र पाटिल, शाम भाऊ पाटकर, रामदास मेहर, वसई सिटी बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती गीतांजलि दरिवाला, वार्ड प्रभारी विकास सिंह ठाकुर सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, कोली बंधु, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। अपने संबोधन में मंत्री नितेश राणे ने महायुति सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कोली समुदाय के मुद्दों, बंदरगाह विकास, रोजगार सृजन और वसई शहर के समग्र विकास के लिए महायुति के उम्मीदवारों को विजयी बनाने की अपील की।

प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. राष्ट्रीय सामाजिक संस्था का २१वां वार्षिक सम्मेलन संपन्न

नवींमुंबई। प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. राष्ट्रीय सामाजिक संस्था का २१वां वार्षिक सम्मेलन रविवार ११ जनवरी को के.आ. बांठीया माध्यमिक विद्यालय हॉल, सेक्टर- १८, नवीन पनवेल , नवी मुंबई में भव्य एवं शानदार रूप से हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि राजेश प्रजापति- प्रमुख भवन निमार्ता, डॉ. भगवान दास प्रजापति पूर्व जीएम ओएनजीसी, के.एन.वर्मा-पूर्व महाप्रबंधक मझगांव डाक लिमिटेड .राजेश कुमार प्रजापति, ए.के. कुंभार एवं उपस्थित मान्यवरों के हाथों तालियों की गड़गड़ाहट के बीच दीप प्रज्वलित करके किया गया। मान्यवरों ने महाराजा श्रीदक्ष प्रजापति , श्रीसंत श्रीयादे मां एवं संत शिरोमणि संतश्री गोरा कुंभार की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि राजेश प्रजापति- अग्रणी भवन निमार्ता, अतिथि गण कृष्ण कुमार वर्मा- वरिष्ठ वैज्ञानिक बीएआरसी, राजेश कुमार प्रजापति- उद्यमी, सिकमी प्रसाद प्रजापति -समाजसेवी , दिनेश प्रजापति- समाजसेवी, ए.के. कुंभार- उद्यमी, ईश्वरी लाल प्रजापति-समाजसेवी, पर्वदीन प्रजापति-उद्यमी,एल.सी. राठौर प्रजापति, एवो.निहारिका प्रजापति-राष्ट्रीय अध्यक्षा (युवा महिला प्रकोष्ठ),डॉ. राममिलन प्रजापति-प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश, श्रीमती कृष्णा प्रजापति- प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान, ओम प्रकाश प्रजापति-संपादक उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक आदि मान्यवर उपस्थित थे। अतिथियों को संस्था द्वारा सम्मान-पत्र, सम्मान चिन्ह, अंग वस्त्र एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया।

सम्मेलन में मान्यवारों ने मनोगत व्यक्त करते हुए प्रजापति समाज के उत्थान, प्रगति, सामाजिक चेतना, राजनीतिक भागीदारी, शिक्षा, व्यवसाय/ रोजगार आदि विषयों पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि राजेश प्रजापति जी ने विशेष रूप से समाज के उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे (डॉक्टर, इंजीनियर) मेधावी छात्रों को आर्थिक मदद, व्यवसाय एवं रोजगार सृजन , समाज की एकजुटता , सभी के लोगों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चलने पर जोर दिया और उन्होंने कहा कि प्रजापति समाज के लोगों को भी उच्च स्तर पर पहुंचने का प्रयास करना चाहिए राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कदम बढ़ाना चाहिए। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र प्रताप प्रजापति ने संस्था द्वारा किए गए कार्यों और उसकी प्रगति पर समाज बंधुओं को अवगत कराया। समाज की गरीब बच्चों को आर्थिक मदद, शिक्षा संबंधी मदद एवं समाज की गरीब युवाओं युवतियों को संस्था के द्वारा शादी विवाह करने पर भी जोर दिया और यह भी कहा कि अगर लोग तैयार होते हैं तो संस्था सब के सहयोग से इसमें भरपूर मदद करेगी। उन्होंने सभी दानदाताओं/ सहयोगकताओं का आभार व्यक्त किया। सम्मेलन में विशिष्ट महानुभावों को ₹प्रजापति रत्न अवार्ड₹, समाज भूषण सम्मान एवं ₹प्रजापति गौरव सम्मान₹ से सम्मानित किया गया। साथी साथ समाज के 10वीं, 12वीं एवं उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों को ₹प्रतिभा सम्मान₹ के अंतर्गत उन्हें प्रशस्ति- पत्र,ट्रॉफी एवं गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। समाज की अग्रणी महिलाओं को ₹नारी शक्ति सम्मान₹ से सम्मानित किया गया। सम्मेलन में लगभग ४५० समाज बंधुओं ने परिवार सहित बढ़-चढ़कर भाग लिया। समाज के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। संस्था के आयोजित द्वारा स्नेह भोजन का आयोजन भी किया गया था जिसमें उपस्थित बंधुओं ने उसका स्वाद लिया।

सम्मेलन में सहयोग करने वाले (भामाशाहों) समाज के बंधुओं एवं कार्यकारिणी के सदस्यों का भी स्वागत किया गया। मंच का संचालन डॉ.भगवान दास प्रजापति-पूर्व जीएम ओएनजीसी ने शानदार ढंग से किया।

सम्मेलन को सफल बनाने के लिए गजेंद्र प्रजापति, सूर्य नाथ परदेसी, काशीनाथ परदेसी, सर्वजीत प्रजापति, चंद्रशेखर प्रजापति, डॉ. ज्ञान प्रकाश प्रजापति, गोविंद प्रजापति, श्रीमती पूनम प्रजापति, विशाल जोगिंदर प्रजापति, राजेंद्र प्रजापति, अजय प्रजापति, गोवर्धन प्रजापति , संजय प्रजापति, इंदर प्रजापति, कुलदीप प्रजापति.कैलाश प्रजापति, भगवान दास प्रजापति, बंधु आर. प्रजापति, श्रीमती नीलम प्रजापति, संजय प्रजापति, मोहन प्रजापति, मन्नू लाल प्रजापति, इंदल प्रजापति, प्रद्युमन प्रजापति, महेश प्रजापति, अशोक प्रजापति, जयप्रकाश प्रजापति, वशिष्ठ प्रजापति, प्राणनाथ राम प्रजापति, रोहित पन्नू प्रजापति, सागर प्रजापति, विशाल प्रजापति , लव कुमार प्रजापति, राकेश कुमार प्रजापति, इंद्रकुमार प्रजापति,आकाश प्रजापति, सूरज भगवान दास प्रजापति, आशीष प्रजापति,सपना प्रजापति आदि ने विशेष मेहनत किया।

चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारियों ने उड़ाई ओ पी एस पतंग

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सोमवार को उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर पेंशन विहीन कर्मचारियों ने आने वाली मकर संक्रांति के पर्व के अवसर पर एक एनपीएस, यूपीएस,का प्रतीकात्मक विरोध करते हुए पुरानी पेंशन बहाली के समर्थन में ब्लॉक मुख्यालय के सामने ओ पी एस पतंग उड़ा कर अपनी मांगो को सरकार तक पहुंचाया और साथ ही साथ यह संकल्प लिया कि अगर हमारी पेंशन जब तक बहाल नहीं होती है तब तक हम विरोध करते रहेंगे। हर त्यौहारों पर ओ पी यस की मांग उठती रहेगी इस कार्यक्रम में सम्मिलित मुख्य रूप से संघ के जिला अध्यक्ष अजय कुमार सिंह प्रांतिय वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रेमलाल गौतम ,अजय कुमार, प्रदीप कुमार, अवधेश कुमार, प्रमोद शर्मा, संतोष कुमार गौतम, राजेश कुमार, अशोक कुमार, राजिव कुमार, ज्ञानचंद, विनय कुमार,पतिराज, मनीष दुबे, रामकेश, राम गोपीनाथ, गोपीनाथ दिनेश कुमार, मनोज कुमार, श्रीकेश त्रिपाठी, केशव लाल, प्रशांत कुमार, चंद्रशेखर, पिल्टियर मानसिंह , जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष मधुबाला मौर्य, मंत्री रीना गुप्ता ,सरोज कुमारी, पिंकी , गीता, प्रिया ,आशा पाल ,रुमा देवी आदि उपस्थित रही।

मैजिक पिकअप की टक्कर से युवक की मौत, चालक फरार

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत धरौरा गांव में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें क्लीनिक के बाहर खड़े युवक की तेज रफ्तार मैजिक पिकअप की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चालक वाहन सहित फरार हो गया, जबकि स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। मिली जानकारी के अनुसार, सरौनी गांव (समोगर) निवासी सत्यम यादव (24 वर्ष) पुत्र वीरेंद्र यादव रोज की तरह धरौरा स्थित अपने क्लीनिक पर गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सत्यम क्लीनिक के बाहर खड़ा था, तभी जौनपुर से केराकत की ओर आ रही अनियंत्रित तेज रफ्तार मैजिक पिकअप ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सत्यम सड़क पर दूर जाकर गिरा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोग सत्यम को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे की खबर जैसे ही परिजनों तक पहुंची, घर में कोहराम मच गया। मृतक तीन भाइयों में सबसे बड़ा था और अभी अविवाहित था। वह बी-फार्मा की पढ़ाई कर रहा था तथा अपने क्लीनिक पर सेवा देता था। उसकी अचानक मौत से परिवार के साथ ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

मंसूर होमियो फार्मेसी का भव्य उद्घाटन डॉक्टर अनवर खान ने फीता काटकर किया

-चंदन जायसवाल

शाहगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज तहसील अंतर्गत इमरानगंज में मंसूर होमियो फार्मेसी और वेलकम टेंट हाउस फारुकीया मदरसा के सामने का भव्य उद्घाटन होम्योपैथिक डॉक्टर अनवर खान ने फीता काटकर किया। होम्योपैथिक के जाने माने वरिष्ठ डॉक्टर अनवर खान ने प्रेस वार्ता में बताया कि इस एरिया में होम्योपैथिक की दवा की क्लिनिक खुलने से यहां के लोगों को राहत मिलेगा ।क्योंकि इस एरिया में कोई भी होम्योपैथिक डॉक्टर की क्लीनिंग नहीं था ।उक्त अवसर पर उपस्थित लोगों में मौलाना राफे साहब, डॉक्टर वसीमुद्दीन साहब सरायमीर , साथ में मौजूद मंसूर अहमद ,अबू मोहम्मद, अदनान दानिश फतनपुर ,राशिद प्रधान , जाकी राशिद मास्टर बद्दोपुर, कमाल अलीमसलीम , पत्रकार अब्दुल कयूम ,पत्रकार चंदन जायसवाल ,सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे अंत में आए हुए सभी लोगों का आभार डॉक्टर सैफुल्लाह बद्दोपुर ने व्यक्त किया।

जौनपुर:दो पहिया वाहनों की टक्कर में एस आई व भोजपुरी कलाकार घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के लाइन बाजार थाना क्षेत्र के लता मंगेशकर चौराहे के पास पेट्रोल पम्प के सामने बीती रात लगभग 10 बजे दो बाइकों में टक्कर हो गयी। इस हादसे एस आई जयनेन्द्र तिवारी एवं दूसरी बाइक पर सवार भोजपुरी कलाकार आशीष माली गम्भीर रूप से घायल हो गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार लाइन बाजार थाना क्षेत्र के शीतला चौकियां धाम देवचन्दपुर निवासी आशीष माली अपने बाइक से शूटिंग करके सहयोगी कलाकार के साथ मड़ियाहूं से वापस घर लौट रहे थे। वाजिदपुर तिराहे के पहले स्थित पेट्रोल पम्प के सामने पुलिस लाइन में तैनात उपनिरीक्षक जयनेन्द्र की बाइक से टक्कर हो गयी। मौके पर उपस्थित मौजूद पुलिसकर्मियों व स्थानीय नागरिकों ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल भेजा जहां जयनेन्द्र को बेहतर उपचार के लिये बीएचयू के ट्रामा सेंटर भेजा गया। वहीं भोजपुरी कलाकार आशीष माली को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। उनके सिर व आंख पर चोट लगी है। सीने में दर्द हो रहा है। जिला अस्पताल में डॉक्टर के निगरानी में इलाज चल रहा है।

रोडवेज बस से ट्रक की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत, बाल-बाल बचे श्रद्धालु

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रविवार की देर रात वाराणसी से अयोध्या जा रही सवारी से भरी रोडवेज बस और शाहगंज से जौनपुर की ओर जा रही ट्रक की खेतासराय मुख्य चौराहा के पास आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए, हालांकि गनीमत रही कि बस में सवार सभी यात्री, चालक और खलासी पूरी तरह सुरक्षित रहे। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। कुछ देर के लिए सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। बताया जा रहा है कि बस में सवार अधिकांश यात्री अयोध्या दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालु थे, जिससे हादसे के बाद यात्रियों में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही कस्बा इंचार्ज अनिल पाठक पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और यातायात व्यवस्था को सुचारु कराने में जुट गए। टक्कर के चलते ट्रक का एक चक्का जाम हो गया था, जिससे उसे हटाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। बाद में दूसरी ट्रक की मदद से क्षतिग्रस्त ट्रक को आगे बढ़वाया गया, तब जाकर आवागमन बहाल हो सका। थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। बस चालक की तहरीर पर मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुटी है।

मैजिक के टक्कर से साइकिल सवार घायल

वाराणसी (उत्तरशक्ति) । जनपद के रोहनिया नगर पंचायत गंगापुर में मोहन सराय गंगापुर रोड स्थित महावीर मंदिर के पास सोमवार को सुबह लगभग 8 बजे गंगापुर से मोहनसराय की तरफ तेज रफ्तार में जा रही मैजिक वाहन के टक्कर से राजातालाब थाना क्षेत्र के मरुई गांव निवासी साइकिल सवार 65 वर्षीय प्रभु नाथ सेठ घायल हो गये। घटनास्थल से मैजिक वाहन लेकर चालक फरार हो गया। घटना की जानकारी होने पर घटनास्थल पर पहुंचे परिजन ने मोहनसराय स्थित आनंद हॉस्पिटल में उक्त घायल प्रभुनाथ सेठ का इलाज कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रभु नाथ सेठ रविवार को नगर पंचायत गंगापुर में अपने रिश्तेदार सहदेव सेठ के घर पर गए थे जहां से सोमवार को सुबह साइकिल से अपने घर वापस जा रहे थे।

शिक्षकों एवं कर्मचारियों के हित के लिए संगठन ने दिया उल्लेखनीय योगदान : अनिरुद्ध त्रिपाठी

0-चेतनारायण सिंह के नेतृत्व में सीएम योगी ने प्रदेश में लागू किया कैशलेस चिकित्सा सुविधा : नरसिंह बहादुर

0-जौनपुर के टीडी पीजी कॉलेज के महाराणा प्रताप व्यायामशाला में आयोजित हुआ उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ का क्षेत्रीय सम्मेलन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ का क्षेत्रीय सम्मेलन सोमवार को टीडी पीजी कॉलेज के महा राणा प्रताप व्यायाम शाला में आयोजित हुआ। सम्मेलन में 10 से अधिक जनपदों के शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। बतौर मुख्य अतिथि प्रांतीय महामंत्री अनिरुद्ध त्रिपाठी ने मां सरस्वती एवं महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रदेश महामंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ का गौरवशाली एवं संघर्ष पूर्ण इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन ने शिक्षकों एवं कर्मचारियों के उत्थान के लिए हमेशा उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि माध्यमिक शिक्षक संघ पहला संगठन है जो शिक्षकों एवं सरकारी कर्मचारी सहित वित्तविहीन शिक्षकों के हित का मुद्दा अत्यंत मजबूती से उठता है। महामंत्री ने विशाल संख्या में जौनपुर में शिक्षकों को आगे आने वाले चुनौतियों के विषय में बताया। उन्होंने संगठन के कार्यकताओं से अपील किया कि इस विधान परिषद क्षेत्र से अपने प्रत्याशी को जिताने के लिए कमर कसें। सम्मेलन वाराणसी परिक्षेत्र के नेतृत्व में आगे के संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण स्थल बनेगा। यह क्षेत्र 2008 से ही संगठन का मार्गदर्शन कर रहा है।

प्रदेश उपाध्यक्ष नरसिंह बहादुर सिंह ने कहा कि संगठन की बहु प्रतीक्षित मांग कैश लेस चिकित्सा सुविधा की रही है। इसके लिए प्रदेश अध्यक्ष चेतनारायण सिंह और संगठन के पदाधिकारियों ने अथक प्रयास किया जिसे मुख्यमंत्री ने पूरे प्रदेश में लागू किया। इसमें प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च शिक्षा, आंगनवाड़ी शिक्षक, वित्तविहीन शिक्षक यहां तक कि रसोइया को भी कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रधान की गई। इसके लिए सीएम योगी ने जल्द ही शासनादेश लागू करने का आश्वासन दिया है। प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि संगठन का अगला कदम वित्तविहीन शिक्षकों को मानदेय दिलाना है जिसे दिलाकर ही संगठन चैन की सांस लेगा। संगठन के अथक प्रयास से ही सदस्य शिक्षक भी विनियमित हुए। मंडल अध्यक्ष सुधाकर सिंह ने आगंतुकों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। संचालन जिलाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक प्रमोद कुमार सिंह ने किया। मौके पर प्रांतीय मंत्री अजय प्रकाश सिंह, मंडल मंत्री सत्येंद्र प्रताप सिंह, सह जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश यादव, पूर्व विधायक सुरेन्द्र प्रताप सिंह, जिला मीडिया प्रभारी विजय सिंह यादव, डॉ.रमेश चंद सिंह, संतसेवक सिंह, जेपी राय, वीरेंद्र प्रताप सिंह, डॉ जंगबहादुर सिंह, अशोक श्रीवास्तव, दिनेश चक्रवर्ती, प्रधानाचार्य शैलेन्द्र सिंह, अजय सिंह आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने एक दिवसीय बालिका कबड्डी प्रतियोगिता का किया उद्घाटन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। रोहनिया खेलो इंडिया जीतो इंडिया के तहत गजाधरपुर केवलपुर में रविवार को न्यू स्टार स्पोर्टिंग क्लब द्वारा एक दिवसीय फ्री शील्ड बालिका कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य तथा विशिष्ट अतिथि अमित सिंह बंटी, भीम सिंह मौर्य,अमित पटेल ,शशी पटेल ने फीता काटकर व खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों का हौसला बुलंद करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।कबड्डी प्रतियोगिता में आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत आयोजक किशन राज पाल पूर्व प्रधान व पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेम उर्फ जग्गू पाल ने अंग वस्त्र के साथ स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। आयोजक एवं व्यवस्थापक किशन राजपाल ने बताया कि इस बालिका कबड्डी प्रतियोगिता में गाजीपुर ,चंदौली, वाराणसी, मिजार्पुर, सोनभद्र ,झारखंड, इलाहाबाद ,भदोही सहित अन्य विभिन्न जिलों से आये हुए कुल 36 टीमों के प्रतिभागी खिलाड़ियों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले टीम को 10 हजार रुपया तथा दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले टीम को 7 हजार रुपया व तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले टीम को 1500 रुपया के साथ शील्ड व मेडल देकर देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान मंगरु यादव ,अच्छे लाल सोनकर ,संदीप गुप्ता,गणेश यादव, वीरेंद्र पाल ,डॉक्टर गुड्डू, रोशन सोनकर, इरफान, राजकुमार प्रजापति, बचाऊ पटेल, सुरेंद्र राजभर ईत्यादि लोग उपस्थित रहे।

मनरेगा कानून खत्म किये जाने के खिलाफ कांग्रेसियों ने गांधी प्रतिमा पर किया भूख हड़ताल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केन्द्र की मोदी सरकार पूंजीपतियों और उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए मनरेगा कानून को खत्म कर गरीबों, मजदूरों के हक को छीनकर उन्हें गुलाम बनाना चाहती है। उक्त बातें कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी ने मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत महात्मा गांधी की प्रतिमा पर जिला कांग्रेस कमेटी जौनपुर के अध्यक्ष डा.प्रमोद कुमार सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को आयोजित एकदिवसीय भूख हड़ताल में बतौर मुख्य अतिथि के रुप में कहा। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना भारत के ग्रामीण क्षेत्र के गरीबों, मजदूरों और महिलाओं को गारंटी के तहत गांवों में ही रोजगार देने में क्रांतिकारी सिद्ध हुआ था एवं गांव से शहरी पलायन को रोकने में कारगर साबित हुआ था, किंतु मोदी सरकार गरीब और मजदूरों के विरोध में काम कर रही है, सरकार इन्हें पूंजीपतियों और उद्योगपतियों के द्वारा शोषण कराना चाहती है। राजेश तिवारी ने आगे कहा कि संघ और भाजपा महात्मा गांधी के नाम से नफरत करती है, गांधी का नाम मिटाने के लिए मनरेगा कानून को खत्म किया जा रहा है। राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी ने मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह सरकार पूरी तरह से फेल हो गयी है,आज देश का पढ़ा लिखा नौजवान बेरोजगारी का दंश झेल रहा है,देश की सीमा में सुरक्षित नहीं है, सरकार की विदेश नीति भी पूरी तरह से असफल हो गयी हैं, अपनी विफलताओं से देशवासियों का ध्यान

मेंडिकल कालेज द्वारा राष्ट्रीय युवा दिसव के अवसर पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल द्वारा अखिल भारतीय परिषद, जौनपुर (काशी प्रांत) के निवेदन को स्वीकार करते हुए आज दिनांक 12 जनवरी 2026, राष्ट्रीय युवा दिवस के पावन अवसर पर भटेवरा गाँव में निःशुल्क चिकित्सा परामर्श हेतु एक दिवसीय चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर पूर्णतः सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस चिकित्सा शिविर में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के अनुभवी चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान की। शिविर में डा० जितेन्द्र कुमार, सहायक आचार्य, मेडिसिन विभाग के साथ डा० ऋषिकेश यादव, डा० अक्षय कुमार एवं डा० प्रदुमन कुमार (जनरल सर्जरी विभाग), डा० सविता (स्त्री रोग विभाग) तथा डा० विकास (कम्युनिटी मेडिसिन विभाग) उपस्थित रहे। सभी चिकित्सकों द्वारा मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श दिया गया। चिकित्सा शिविर में भटेवरा गांव सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मरीज उपस्थित हुए। मरीजों की स्वास्थ्य जांच उपरान्त उन्हें रोग के अनुसार उचित चिकित्सकीय सलाह दी गई तथा मौके पर ही आवश्यक दवाओं का निःशुल्क वितरण भी किया गया। गम्भीर बीमारी से पीड़ित मरीजों को मेडिकल कालेज में आकर आवश्यक जांच एवं उपचार हेतु सलाह दी गई। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए चिकित्सा महाविद्यालय एवं आयोजन समिति के प्रति आभार व्यक्त किया।प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो० ए०ए० जाफरी के मार्गदर्शन में आयोजित यह शिविर ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने तथा जरूरतमंद लोगों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक सराहनीय कदम सिद्ध हुआ। आयोजन समिति ने भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

उद्यान विभाग द्वारा चौपाल लगा किया गया सब्जी बीज वितरण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सोमवार को ग्राम सभा मन्दहां विकासखंड सुजानगंज जनपद जौनपुर में एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के तहत लगभग 150 कृषको को निःशुल्क सब्जी बीज का वितरण जिला उद्यान अधिकारी डॉ० सीमा सिंह राणा द्वारा किया गया ।इस अवसर पर उपस्थित कृषको को सम्बोधित करते हुए जिला उद्यान अधिकारी द्वारा जनपद में उद्यान विभाग द्वारा जारी योजनाओं यथा- एकीकृत बागवानी विकास मिशन, पर ड्राप मोर काप, एस०सी०पी० राज्य सेक्टर, पान विकास, योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना, के बारे मे विस्तृत जानकारी देते हुए कि कृषक ब्लाक प्रभारी एवं स्वंय कार्यालय से सम्पर्क कर योजनाओ का लाभ ले सकते है। स्ट्राबेरी, ड्रैगन फूटस एवं केले की खेती से किस तरह से कृषक अपनी आय में गुणात्मक वृद्धि कर सकते है। इसके अतिरिक्त कृषक भाई कृषि विज्ञान केन्द्र बक्शा मे स्थापित हाईटेक नर्सरी मे कृषक अपना बीज देकर वहाँ से सब्जी का बेहन / नर्सरी प्राप्त कर सकते है। पाली हाउस मे बे-मौसम सब्जी व फूलों की खेती कर अधिक आय सृजन करने की तकनीकी जानकारी भी दिया गया, मशरूम की खेती व खाद्य प्रसंस्करण उद्योग अन्तर्गत आयल मिल, मसाला उद्योग, बेकरी, डेयरी आदि उद्योग स्थापित करने मे 10 लाख तक की सब्सिडी दी जा रही है। आज के कार्यक्रम मे प्रधान राजेश सिह, गंगेश बहादुर सिह, जय प्रकाश तिवारी पत्रकार बंधु व प्रभारी योजना राजकुमार, सत्यभान, जसपाल, सहित लगभग 150 कृषक उपस्थित रहे।

फिल्मी स्टाइल में पिस्टल की नोक पर दुकान से दो युवकों का अपहरण

मुजफ्फरनगर (उत्तरशक्ति)। जनपद के कस्बा खतौली में रविवार दोपहर बिना नंबर की स्कॉर्पियो सवार बदमाशों द्वारा दिनदहाड़े एक बाइक मैकेनिक और उसके मित्र को पिस्टल की नोक पर उठाए जाने से सनसनी फैल गई। जीटी रोड स्थित कीर्ति स्तंभ के पास हुई इस वारदात से आसपास के व्यापारियों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, मोहल्ला काज़ियान निवासी इरफान पुत्र नूर अहमद की कीर्ति स्तंभ के पास बाइक रिपेयरिंग की दुकान है। रविवार दोपहर एक बिना नंबर की सफेद स्कॉर्पियो दुकान के बाहर आकर रुकी। चश्मदीदों के मुताबिक, कार सवारों ने हाथ में पिस्टल लहराते हुए इरफान और वहां मौजूद उसके दोस्त आसिफ उर्फ बबलू को जबरन गाड़ी में धकिया लिया और मुजफ्फरनगर की ओर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से पूछताछ की। अपहृत इरफान के भाई इस्लाम ने थाने में तहरीर देकर भाई और उसके दोस्त की सकुशल बरामदगी की मांग की है। हालांकि, चर्चा यह भी है कि इस कार्रवाई के पीछे देहरादून एसओजी या क्राइम ब्रांच की टीम का हाथ हो सकता है, जो किसी पुराने मामले में दोनों को हिरासत में लेकर गई है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच में जुटी है और आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है।

भाजपा कार्यकर्ता के निधन पर विधायक ने दी श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन विकासखंड क्षेत्र के ग्रामसभा खुटहन में भारतीय जनता पार्टी के सेक्टर संयोजक स्व. विनोद कुमार सिंह के सड़क दुर्घटना में हुए आकस्मिक निधन पर विधायक रमेश सिंह ने रविवार को उनके आवास पर पहुँचकर परिजनों से भेंट की। विधायक ने शोक-संतप्त परिवार से मिलकर गहरी शोक संवेदना व्यक्त कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मिलकर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ढांढस बंधाया। उन्होंने आत्मा की शांति व परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

पूर्व कैबिनेट मंत्री दुर्गा प्रसाद यादव का जन्मदिन मनाया गया

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री दुर्गा प्रसाद यादव के जन्मदिन के शुभ अवसर पर आजमगढ़ स्थित उनके आवास पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उत्तर यादव युवा संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव के नेतृत्व में उपस्थित लोगों ने उनका सम्मान किया। समारोह में शिक्षक अरविंद यादव एवं शिक्षक सत्यम यादव सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने विधायक को जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं और उनके स्वस्थ, दीघार्यु एवं सफल जीवन की कामना की। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव ने कहा किदुर्गा प्रसाद यादव जीवन में निरंतर प्रगति करें और इसी प्रकार जनता की सेवा करते रहें। उनका आशीर्वाद सदैव जनता को मिलता रहे। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

माँ सुशीला छात्रवृत्ति एवं सोशल आइकन अवार्ड्स 2026 का भव्य आयोजन

नालासोपारा। माँ सुशीला सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा माँ सुशीला छात्रवृत्ति एवं सोशल आइकन अवार्ड्स 2026 का आयोजन 11 जनवरी 2026 की शाम एवरशाइन में अत्यंत गरिमामय एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत सुनीता पाटिल द्वारा रिबन काटकर की गई। इसके पश्चात माँ सुशीला देवी की 9वीं पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। दीप प्रज्वलन ट्रस्ट के परिवारजनों द्वारा किया गया तथा रोशनी सहानी ने सरस्वती वंदना एवं माँ सुशीला को समर्पित श्रद्धांजलि गीत प्रस्तुत किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में लायंस आदर्श हाई स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा लेजीम नृत्य, प्रियांशु त्रिपाठी एवं आर.एस. दुबे हाई स्कूल के छात्रों द्वारा सामाजिक विषयों पर आधारित प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। विशेष गायन प्रस्तुति नम्रता दास द्वारा दी गई, वहीं अंश एवं समर्थ ने भी अपने गायन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। समूह नृत्य में अदिति, समरीन, शुप्रिता एवं शीतल (सोलो डांस प्रतियोगिता विजेता) ने प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण 20 अनाथ विद्यार्थियों को 5000 तक की आर्थिक सहायता के साथ बैग, कॉपी एवं स्टेशनरी का वितरण रहा, जो विनय तिवारी के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर मुरलीधर पांडे (लेखक), नम्रता दास, श्रद्धा राय (जिम्मेदार कौन ग्रुप), निलेश इप्रदास (मर्चेंट नेवी), निकुंज सोनी सहित अनेक शिक्षाविद् एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में ट्रस्ट ने तीन नई पहल की घोषणा की–99 में -एआई की पाठशाला, निःशुल्क टैली कोर्स, तथा वंचित विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क इंग्लिश स्पीकिंग एवं पर्सनैलिटी डेवलपमेंट कक्षाएं। MSSCT फेस्ट 2025-26 के पुरस्कार वितरण समारोह में एन.एन. इंग्लिश मीडियम स्कूल, आर.एस. दुबे हाई स्कूल एवं लायंस आदर्श हाई स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का समापन माँ सुशीला सोशल आइकन अवार्ड्स के साथ हुआ, जिसमें स्वर्णा सफर फाउंडेशन, स्वाति आचार्य, आदि जिन युवक चैरिटेबल ट्रस्ट एवं निश्वरथ सेवा नियोप्लेन 108 को सम्मानित किया गया। ट्रस्ट ने सभी दानदाताओं, ट्रस्ट सदस्यों एवं स्वयंसेवकों में सत्या त्रिपाठी, राकेश पाटिल, प्रियंका त्रिपाठी, सूरज दुबे, अरविंद पटेल, राकेश तिवारी, मोहित दुबे, दुर्गा प्रसाद, गणेश सिंह, विशाल गुप्ता, विंध्या यादव, दिवाकर विश्वकर्मा, आलोक सिंह, शुभम चौबे, गगन सोनी, देवानंद मौर्या, पूर्वी सिंह, साक्षी सिंह, जयप्रकाश चौबे, शिवा विश्वकर्मा, नंदिनी सिंह, सुमन महतो, आदर्श पांडे, संदीप भाई, गोविंदा, शिवम एवं अशुतोष पांडे सहित सभी वालंटियर्स का हृदय से आभार व्यक्त किया।

पीएनजी ज्वेलर्स की ओर से २०२६ की शुरूआत में महीने भर चलने वाले चेन एंड बैंगल महोत्सव का आयोजन

मुंबई। भारत के सबसे भरोसेमंद और प्रतिष्ठित ज्वेलरी ब्रांड्स में से एक, पीएनजी ज्वेलर्स द्वारा अपने बहुप्रतीक्षित चेन एंड बैंगल महोत्सव का आयोजन किया गया है. यह महोत्सव ५ जनवरी २०२६ से सभी पीएनजी ज्वेलर्स शोरूम्स में शुरू हो रहा है. महीने भर चलने वाला यह उत्सव ज्वेलरी टाइमलेस और वर्सेटाइल इन दो श्रेणियों को एक साथ लाता है, जिससे ग्राहकों को रोजाना की शालीनता और उत्सव की भव्यता, दोनों में निवेश करने का बेहतरीन अवसर मिलता है. यह महोत्सव खास तौर पर उन ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है,जो अपनी कलेक्शन में क्लासिक सोने की चेन,आकर्षक चूड़ियां और सुंदर हीरे की चूड़ियां जोड़ना चाहते हैं, चाहे रोज पहनने के लिए हो, गिफ्ट देने के लिए हो या विशेष अवसरों के लिए हो. इस पहल के माध्यम से पीएनजी ज्वेलर्स उत्कृष्ट कारीगरी और सदाबहार डिजाइन का उत्सव मनाते हुए इन पसंदीदा ज्वेलरी को और अधिक सुलभ बनाना चाहता है. इस महोत्सव के तौर पर, ग्राहकों को सोने की चेन और चूड़ियों पर मेकिंग चार्ज पर प्रति ग्राम रुपये ५१५ की फ्लैट छूट पा सकते हैं. इसके अलावा, हीरे की चूड़ियों पर मेकिंग चार्ज पर फ्लैट ५० प्रतिशत की छूट भी दी जा रही है, जिससे पहनने में आसानी और चमकदार हीरे की चूड़ियों को खरीदने का यह एक अच्छा समय है. यह सभी ऑफर्स ५ जनवरी से ३१ जनवरी २०२६ तक सभी पीएनजी ज्वेलर्स शोरूम्स में शुरू रहेंगी.

बौलिया महुवारी ग्रामसभा में कंबल वितरण कार्यक्रम संपन्न

-संजय मिश्रा

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी जनपद के बड़ागाँव विकास खंड अंतर्गत बौलिया महुवारी ग्रामसभा में शीत ऋतु के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए कंबल वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। ठंड से राहत प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में मानवीय संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व का सुंदर समन्वय देखने को मिला। इस कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन मनभावती देवी, नन्दलाल मिश्रा, आदित्य मिश्रा एवं उनके परिवारजनों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। आयोजनकताओं ने सेवा भावना के साथ इस पुनीत कार्य को संपन्न कर समाज के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन किया। कार्यक्रम के दौरान लोगों को कंबल वितरित किए गए, जिससे शीत ऋतु में उन्हें आवश्यक राहत प्राप्त हो सके। इस अवसर पर ग्रामसभा में सकारात्मक वातावरण बना रहा। ग्रामीणों ने आयोजनकताओं की इस सराहनीय पहल की खुले दिल से प्रशंसा करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इस प्रकार के सामाजिक कार्य न केवल जरूरत के समय सहारा प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में आपसी सहयोग, करुणा और मानवीय मूल्यों को भी सशक्त करते हैं।